सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 1 अंक : 310, नई दिल्ली,रविवार, 03, दिसंबर 2023 पेज : 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

शुभ संदेश

सुधरना और बिगड़ना मनुष्य के स्वभाव पर निर्भर करता है न कि माहौल पर,विभीषण रावण के राज्य में भी रहकर नही बिगड़ा,और कैकई राम के राज्य में भी रहकर नही सुधरी।

संक्षिप्त खबरें

बैंक से 5.94 लाख लेकर लौट रहा था किसान, बाइक सवार बदमाशों ने चकमा देकर लूटी नकदी, मौके से फरार

ऊधम सिंह नगर

रुद्रपुर में 5.94 लाख रुपये निकालकर बाइक से अपने मित्र के साथ घर लौट रहे किसान को बाइक सवार दो लुटेरों ने लूट लिया। लुटेरों ने चलती बाइक से नकदी से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए। धान बिक्री के पांच लाख 94 हजार रुपये बैंक से निकालकर बाइक से अपने मित्र के साथ घर लौट रहे किसान को बाइक सवार दो लुटेरों ने लूट लिया। लुटेरों ने चलती बाइक से नकदी से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए। किसान ने बाइक सवार लुटेरों का पीछा भी किया परंतु हाथ नहीं आ सके। किसान ने लूट की सूचना तत्काल थाना पुलिस को दी। पुलिस ने लुटेरों को पकड़ने के लिए कांबिंग अभियान चलाया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम बिचपुरी खैराना निवासी मन्नू सिंह राणा पुत्र स्वर्गीय जगजीत सिंह अपने मित्र सुखविंदर सिंह के साथ बाइक (यूके06एएल-5765) से बृहस्पतिवार को सितारगंज गए थे। सितारगंज के बैंक ऑफ बड़ौदा से धान की पेमेंट 5.94 लाख रुपये निकालकर बैग में रखे और घर के लिए रवाना हो गए। बैग पीछे बैठे सुखविंदर के पास था। जब वह चीकाघाट पुल के पास पहुंचे तो पीछे से बाइक पर आए दो युवकों ने उनसे नानकमत्ता जाने का मार्ग पूछा। अचानक बाइक पर पीछे बैठे युवक ने सुखविंदर के हाथ से नकदी भरा बैग छीन लिया। बैग छीनने से मन्नू की बाइक सड़क पर लहरा गई। मन्नू ने किसी तरह बाइक को काबू कर लुटेरों का पीछा किया। लुटेरे तेजी से चकमा देते हुए नानकमत्ता की ओर फरार हो गए। पीड़ित ने तत्काल थानाध्यक्ष देवेंद्र गौरव को सूचना दी। थानाध्यक्ष टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कांबिंग अभियान चलाया। पीड़ित ने पुलिस को लूट की तहरीर सौंपी है। समाचार लिखे जाने तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी। अलबत्ता पुलिस का कांबिंग अभियान जारी था। थानाध्यक्ष गौरव ने बताया कि कुछ संदिग्ध को पुलिस ने हिरासत में लिया है। लुटेरों का कुछ सुराग मिला है।

मंडी में बनेगा प्रदेश का पहला ऑटोमेटिक ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक, सीसीटीवी से रहेगी नजर

मंडी,ट्रैक में वाहन के गुजरने के बाद अलग-अलग एंगल में लगे सीसीटीवी खुद ही स्क्रीन पर एमवीआई व अन्य को कैबिन में लाइव फुटेज दिखाएगा। इसी आधार पर निर्णय होगा। इस तरह ड्राइविंग टेस्ट में पारदर्शिता भी आएगी। मंडी में हिमाचल का पहला ऑटोमेटिक ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक बनेगा। इसके लिए कवायद शुरू हो गई है। मंडी सदर प्रशासन इस ट्रैक के लिए औपचारिकताएं पूरी कर रहा है। सदर प्रशासन भूमि की तलाश कर रहा है। फिलहाल खलियार में इसके लिए भूमि देखी गई है, लेकिन अभी तक इस पर अंतिम मुहर नहीं लग पाई है। इसके अलावा अन्य जगह में भी भूमि की तलाश की जा रही है। बड़े शहरों की तर्ज पर बनने वाले इस ऑटोमेटिक ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक पर ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए चालक का टेस्ट होगा। यहां पूरे नियमों के तहत चालक के कौशल को परखा जाएगा। सीसीटीवी से हर एंगल पर पूरी नजर रहेगी। सभी कड़ियां सही तरीके से पार करने के बाद ही टेस्ट पास होगा। खास है कि यहां चौपहिया वाहन समेत दो पहिया वाहन के लिए पहले से ही ट्रैक बने होंगे। वाहन चालक को इन ट्रैक सही तरीके और सभी नियमों के अनुसार गुजरना होगा।

यह बाधा पार करते ही चालक लाइसेंस के लिए टेस्ट पास कर पाएगा। यह ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक गुणवत्तापूर्ण ड्राइवर तैयार करता है। पारदर्शी तरीके से उपयोगकर्ता के ड्राइविंग कौशल का वास्तविक समय मूल्यांकन होता है।

एयर इंडिया की फ्लाइट में सीट के लिए भिड़ गए यात्री, दूसरे यात्रियों को भुगतना पड़ा खामियाजा

लखनऊ से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट में बच्चों को अगल-बगल की सीट पर बिठाने की जिद पर यात्री भिड़ गए। इसका खामियाजा अन्य यात्रियों को भुगतना पड़ा और फ्लाइट करीब डेढ़ घंटे देरी से रवाना हो सकी।

लखनऊ

एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रियों की ऐसी हरकत सामने आई जिससे अन्य यात्रियों को भी खामियाजा भुगतना पड़ा। फ्लाइट डेढ़ घंटे लेट हो गई।

लखनऊ से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट में बच्चों को अगल-बगल की सीट पर बिठाने की जिद पर यात्री भिड़ गए। इसका खामियाजा अन्य यात्रियों को भुगतना पड़ा और फ्लाइट करीब डेढ़ घंटे देरी से रवाना हो सकी। क्रू मेंबर्स व सिक्योरिटी स्टाफ के समझाने पर मामला शांत हुआ। मामला शुक्रवार दोपहर का है। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 432 लखनऊ से दिल्ली के लिए दोपहर 2.50 बजे रवाना होती है। विमान रनवे पर पहुंच गया था और यात्री बैठ रहे थे। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक इसी बीच दो परिवार दिल्ली जाने के लिए विमान में पहुंचे। दोनों परिवारों ने अपने बच्चों को आसपास की सीटों पर बिठा दिया, जबकि नियमतः बच्चों को अगल-बगल नहीं बिठाया जा सकता।एयर होस्टेस ने परिवार को समझाया, लेकिन परिजन बच्चों को हटाने के लिए तैयार ही नहीं हुए। वे उन्हीं सीटों पर बच्चों को बिठाने की जिद पर अड़े रहे। इस पर बहस शुरू हो गई, जो कहासुनी में बदल गई। विमान में सवार दूसरे यात्रियों ने भी दोनों परिवारों को समझाने की कोशिश की लेकिन परिवार के बड़े सदस्य तक मानने को तैयार नहीं थे। आखिरकार सिक्योरिटी स्टाफ ने उन्हें समझाया। इस बीच विमान करीब डेढ़ घंटे लेट हो गया और शाम 4:30 बजे उड़ान भर सका।

इधर महिला यात्री हुई बेहोश

विस्तारा की लखनऊ से शाम चार बजे दिल्ली जाने वाली फ्लाइट यूके 642 में 35 वर्षीया महिला यात्री की शुक्रवार को अचानक विमान में सवार होने से पहले ही तबीयत खराब हो गई। वह बेहोश हो गईं। उन्हें प्राथमिक इलाज दिया गया पर तबीयत खराब होने के कारण वह यात्रा नहीं कर सकीं। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि महिला यात्री उस समय बेहोश हुई, जब उसे बस से विमान तक ले जाया जा रहा था।

उत्तरकाशी में सिलक्यारा के पास एक और सुरंग से 'खतरों' का रिसाव, ग्रामीणों की बढ़ रही चिंता

यूजेवीएनएल इसके उपचार पर अब तक करोड़ों खर्च कर चुका है, लेकिन रिसाव नियंत्रण में नहीं आ रहा है। महरगांव के प्रधान सुरेंद्रपाल का कहना है कि दो साल से यहां पानी का रिसाव काफी तेजी से बढ़ रहा रहा है।

देहरादून

धरांसू बैंड के निकट महरगांव में सुरंग से दो साल पहले पानी का रिसाव शुरू हुआ था जो धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। सिलक्यारा सुरंग हादसे के साथ ही उत्तरकाशी जिले की एक और सुरंग में पानी का रिसाव ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। इस सुरंग से इतना पानी बह रहा कि इससे सिंचाई की नहर व जमीनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। ग्रामीण डर के साये में जी रहे हैं। उधर, उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यूजेवीएनएल) का कहना है कि सुरंग के उपचार का काम लगातार जारी है। दरअसल, मनेरी भाली-2 परियोजना की 16 किलोमीटर लंबी सुरंग है। इस सुरंग से पानी जाता है, जिसके बाद धरासूं में बिजली का उत्पादन होता है। धरांसू बैंड के निकट महरगांव में सुरंग से दो साल पहले पानी का रिसाव शुरू हुआ था जो धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। यूजेवीएनएल इसके उपचार पर अब तक करोड़ों खर्च कर चुका है, लेकिन रिसाव नियंत्रण में नहीं आ रहा है। महरगांव के प्रधान सुरेंद्रपाल का कहना है कि दो साल से यहां पानी का रिसाव काफी तेजी से बढ़ रहा रहा है। गांव वालों की सिंचाई नहर व करीब 10 नाली भूमि क्षतिग्रस्त हो गई है। जगह-जगह भू-कटाव हो रहा है। सुरंग के ऊपर गांव चमियारी को भी बरसात में नुकसान पहुंच सकता है।

बताया, सुरंग के ऊपर की ओर से महरगांव से एक-दो किमी दूर यह रिसाव हो रहा है। 304 मेगावाट बिजली उत्पादन करने वाले इस प्रोजेक्ट की सुरंग से भविष्य के नुकसान को लेकर ग्रामीण और अधिक आशंकित हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इस सुरंग का उपचार तत्काल कराया जाए, ताकि उन्हें नुकसान से निजात मिल सके।

कभी-कभी सुरंग से रिसाव हो सकता है। मनेरी भाली की सुरंग से रिसाव का लगातार उपचार किया जा रहा है। जिन ग्रामीणों को नुकसान हुआ, उन्हें मुआवजा भी दिया गया है। हमारे विशेषज्ञ इसके उपचार में जुटे हुए हैं। जल्द ही कोई नतीजा निकलेगा।

केलांग, कल्पा और समदो में माइनस में पहुंचा न्यूनतम तापमान; बढ़ी ठिठुरन

कुल्लू

अटल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल में बर्फबारी के कारण वाहन फिसल रहे हैं। शुक्रवार देर शाम टनल से धुंधी तक वाहन स्किड हो गए। हिमाचल प्रदेश में मौसम खुल गया है लेकिन दुश्वारियां बरकरार हैं। सूबे में कई सड़कें बंद हैं। मनाली-लाहौल का संपर्क कटा हुआ है। धुंधी में जमी बर्फ पर वाहन फिसल रहे हैं। केलांग, कल्पा और समदो में न्यूनतम तापमान माइनस में पहुंच गया है। लगातार दो दिन बर्फबारी के बाद के प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठिठुरन बढ़ गई है। आज से एक सप्ताह तक पूरे प्रदेश में मौसम साफ बना रहने का पूवार्नुमान है।अटल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल में बर्फबारी के कारण वाहन फिसल रहे हैं। शुक्रवार देर शाम टनल से धुंधी तक वाहन स्किड हो गए। मनाली पुलिस ने स्किड हो रहे करीब 20 वाहनों को सुरक्षित निकालकर मनाली की ओर भेजा। प्रशासन ने लोगों व पर्यटकों से मौसम की स्थिति को देखकर ही यात्रा करने की अपील की है। जिला कुल्लू और लाहौल घाटी में तीसरे दिन भी बर्फबारी का दौर जारी रहा। शुक्रवार रात को अटल टनल के साथ पूरी लाहौल घाटी में ताजा बर्फबारी हुई है। टनल के दोनों छोर में 12 से 27 सेमी तक हुई बर्फबारी से मनाली-लाहौल का सपंर्क पूरी तरह से कट गया है। सिस्सू में 25, कोकसर में 20 और रोहतांग दर्रा में 40 सेमी तक ताजा बर्फबारी होने की सूचना है। लाहौल पुलिस ने पर्यटकों व आम लोगों को अटल-टनल होकर आवाजाही न करने की हिदायत दी है। तीसरे दिन भी कुल्लू से लाहौल व जलोड़ी दर्रा होकर बसों का संचालन नहीं हो पाया है। वहीं लाहौल घाटी में 50 से अधिक सड़कें भी बंद हो गई हैं।

बुजुर्ग ने खुद पर पेट्रोल छिड़कर लगाई आग, कुछ महीने पहले ही हुई थी पत्नी की मौत....

पुलिस को शुक्रवार को सूचना मिली कि मनोज बंसल ने खुद को आग लगा ली है। आईटी पार्क क्षेत्र में एक बुजुर्ग ने खुद पर पेट्रोल छिड़कर आग लगा ली। बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।

देहरादून

घटना दून डिवाइन आईटी पार्क की है। दून डिवाइन अपार्टमेंट में 71 वर्षीय बुजुर्ग मनोज बंसल अकेले रहते थे। इसी अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर उनकी बेटी अपने परिवार के साथ रहती हैं। पुलिस को शुक्रवार को सूचना मिली कि मनोज बंसल ने खुद को आग लगा ली है। आईटी पार्क क्षेत्र में एक बुजुर्ग ने खुद पर पेट्रोल छिड़कर आग लगा ली। बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार बुजुर्ग आर्थिक तंगी से परेशान चल रहे थे। हाल ही में उन्होंने किसी से कर्ज लिया था। जिसे वह लौटा नहीं पाए थे। कुछ महीने पहले ही उनकी पत्नी की मौत भी हुई थी। बुजुर्ग के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। एसओ राजपुर जितेंद्र चौहान ने बताया कि घटना दून डिवाइन आईटी पार्क की है। दून डिवाइन अपार्टमेंट में 71 वर्षीय बुजुर्ग मनोज बंसल अकेले रहते थे। इसी अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर उनकी बेटी अपने परिवार के साथ रहती हैं। पुलिस को शुक्रवार को सूचना मिली कि मनोज बंसल ने खुद को आग लगा ली है। पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि उनकी मौत हो चुकी थी। घटना के संबंध में जानकारी की तो पता चला कि उनकी पत्नी की कुछ महीने पहले मौत हो गई थी। तब से वह परेशान चले रहे थे। इसके साथ ही बताया यह भी जा रहा है कि उन्होंने किसी से कर्ज लिया था।

कर्जदाता ने जब तकादा किया तो उन्होंने चेक दे दिया। लेकिन, खाते में पैसे नहीं थे। पुलिस के अनुसार इसी बात से उनके आत्महत्या करने की बात कही जा रही है। पुलिस ने अपार्टमेंट के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की तो पता चला कि वह बृहस्पतिवार को पेट्रोल लेकर आते दिख रहे थे। यह बात भी इसी बात को सिद्ध कर रही है कि उन्होंने आत्महत्या की है। एसओ ने बताया कि अन्य कारणों की जांच की जा रही है। उनका बेटा गुरुग्राम में प्राइवेट नौकरी करता है।

संयुक्त निरीक्षण नहीं होने के कारण रुका आरओबी का काम

ऊधम सिंह नगर

काशीपुर। बाजपुर रोड पर निमार्णाधीन आरओबी निर्माण में अभी कम से कम दो रोड़े और अटके हैं। एक संयुक्त निरीक्षण के बाद अधूरे निर्माण को पूरा कराना है और दूसरा निर्माण पूरा होने के बाद आरडीएसओ का सर्वे। ऐसे में शहरवासियों के लिए यह आरओबी अब अगले वर्ष यानी 2024 में मध्य में आवागमन के लिए उपलब्ध होने की उम्मीद जताई जा रही है। मंडलायुक्त दीपक रावत ने भी स्थानीय प्रशासन से आरओबी की कार्य प्रगति की रिपोर्ट तलब की है। शहरवासियों को जाम के झाम से निजात दिलाने के उद्देश्य से वर्ष 2017 में लगभग 56 करोड़ की लागत से महाराणा प्रताप चौक पर आरओबी का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। इसे नवंबर 2019 तक पूरा होना था लेकिन कार्यदायी संस्था दीपक बिल्डर्स लुधियाना की निर्माण कार्य में लेटलतीफी और संबंधित विभागों की ओर से समय पर निरीक्षण नहीं करने और कई कार्यों की एनओसी नहीं मिलने के चलते धीर-धीरे करते छह साल गुजर गए। वर्तमान में महाराणा प्रताप चौक से बाजपुर रोड पर आवास-विकास तक का आरओबी अभी भी अधूरा है। दो महीने पहले हुई बैठक में 15 दिसंबर 2023 का समय दिया गया था। कार्यदायी संस्था दीपक बिल्डर्स के अधिकारी अजय शर्मा ने बताया कंपनी ने मुख्य चौराहा के पास रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर बनने वाले आरओबी का स्ट्रक्चर तैयार कर दिया है। केवल उसको दोनों पुल के बीच में जोड़ना है। बताया कि ब्रिज की वेल्डिंग स्ट्रक्चर का अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) ने निरीक्षण कर लिया था। अब रेलवे इज्जतनगर मंडल व एनएच की टीम एक-दो दिन में संयुक्त निरीक्षण करेगी। उसकी एनओसी के बाद ही अधूरा निर्माण कार्य शुरू हो पाएगा। इसमें लगभग 120 दिन का समय लग सकता है। साथ ही बताया निर्माण कार्य पूरा होने के बाद आरडीएसओ की टीम एक बार पुनः निरीक्षण करेगी। अब तक कई बार मिल चुकी है तारीख काशीपुर। कार्यदायी संस्था को वर्ष 2019 में आरओबी का निर्माण पूरा करना था। जो नहीं हो सका और तारीख पर तारीख मिलती रहीं। संस्था ने वर्ष 2022 में दो बार तारीख देकर काम पूरा होने का भरोसा दिला था, जो नहीं हो सका। फरवरी 2023 में कंपनी ने 105 दिन का समय मांगा। इसकी समय सीमा सात जून 2023 को खत्म हो गई। इसके बाद जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में 20 अगस्त 2023 तक पूरा होने की बात कही थी। वह भी तारीख गुजर गई। तब लगभग ढाई-तीन महीने पहले विधायक व प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में 15 दिसंबर तक 2023 तक कार्य पूरा होने की तारीख दी थी। अब संयुक्त निरीक्षण के चलते काम अटक गया है।

सुबह हो या शाम, कुंडेश्वरी रोड पर जाम है आम

ऊधम सिंह नगर

काशीपुर। शहर में चीमा चौराहे से कुंडेश्वरी की ओर जाने वाला मार्ग व्यस्त है। दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। करीब 20 से 30 मीटर लंबी सड़क को पार करने में 10 से 15 मिनट लग रहे हैं। चीमा चौराहे के पास स्थित रेलवे क्रॉसिंग से ट्रेन गुजरने पर स्थिति और खराब हो जाती है। जाम से परेशान लोग समस्या का समाधान चाहते हैं लेकिन कोई समाधान अभी तक प्रशासन की ओर से नहीं किया जा रहा है।

क्या कहते हैं लोग

-कुंडेश्वरी रोड पर हर रोज लगने वाला जाम परेशानी का सबब बना हुआ है। प्रशासन को इसका समाधान जल्दी निकालना चाहिए। - मधुप अग्रवाल

-बाजपुर मार्ग के यातायात का दबाव भी इसी रास्ते पर आ जाने से समस्या ज्यादा बढ़ गई है। प्रशासन को यातायात व्यवस्थित कराना चाहिए। - राहुल जोशी

-सुबह शाम तो जाम लगता ही है। दिन में भी कुंडेश्वरी रोड पर ट्रैफिक का भारी दबाव रहता है। यातायात नियंत्रित करने के प्रभावी इंतजाम करने चाहिए। -लाल सिंह बोरा

-कई बार प्रशासन का ध्यान इस मार्ग पर लगने वाले जाम की ओर खींचा गया है लेकिन समस्या का हल नहीं निकला। प्रशासन को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। -टिंकू

गुरुद्वारा गुरु के ताल पर ट्रक ने ऑटो को रौंदा, महिला सहित पांच लोगों की मौत

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में शनिवार शाम दिल्ली नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसे में महिला सहित पांच लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ऑटो दो ट्रक के बीच में फंस गया, जिससे मौके पर चीख पुकार मच गई। ऑटो सवार लोगों को जान बचाने तक का मौका नहीं मिला। ऑटो सवार लोगों की सांसें जहां की तहां थम गईं। जिसने भी ये दृश्य देखा उसकी रूह कांप गई। शव के चिथड़े हाईवे पर बिखरे गए थे। ये हादसा थाना सिकंदरा क्षेत्र में दिल्ली नेशनल हाईवे पर गुरुद्वारा गुरु के ताल के सामने कट पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ऑटो सवारियां लेकर भगवान टॉकीज से सिकंदरा की ओर जा रहा था। हाईवे पर वाहनों की कतार थी। उसी समय ऑटो एक ट्रक को ओवरटेक करते हुए आगे निकला। ऑटो के आगे भी ट्रक था। आगे वाले ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे पीछे से आ रहे ट्रक ने ऑटो को रौंद दिया।

नैनीताल की पार्किंग समस्या का समाधान लेकर हाईकोर्ट में पेश हुए एसएसपी, कोर्ट ने दिए जरूरी निर्देश...

कोर्ट ने एसएसपी को निर्देश दिए हैं कि वह होटल व्यवसायियों, स्थानीय लोगों, अधिवक्ताओं और अन्य के साथ एक बैठक करें। स्थानीय लोगों के हितों को देखते हुए समस्या का समाधान निकालें, नई पार्किंग के लिए जगह का चयन करें।

नैनीताल

नैनीताल में पार्किंग को लेकर खड़ी हुई समस्या के समाधान को लेकर एसएसपी हाईकोर्ट में पेश हुए। एसएसपी ने हाईकोर्ट को बताया कि अवैध पार्किंग की समस्या को खत्म करने के लिए चालान का कार्रवाई शुरू कर दी है। हाईकोर्ट ने नैनीताल शहर के अंदरूनी मार्ग स्नोव्यू, बिडला, जू रोड, सीआरएसटी स्कूल, हेड पोस्ट आफिस, सूखाताल, तल्लीताल धर्मशाला सहित अन्य मार्गों पर स्थित होटल स्वामियों और स्थानीय लोगों की ओर से सड़क पर वाहन पार्क करने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की।

कोर्ट ने एसएसपी को निर्देश दिए हैं कि वह होटल व्यवसायियों, स्थानीय लोगों, अधिवक्ताओं और अन्य के साथ एक बैठक करें। स्थानीय लोगों के हितों को देखते हुए समस्या का समाधान निकालें, नई पार्किंग के लिए जगह का चयन करें।

हाईकोर्ट के पूर्व आदेश के क्रम

में एसएसपी नैनीताल शुक्रवार को कोर्ट में पेश हुए हुए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि उन्होंने सड़र के किनारे पार्क हुए वाहनों का चालान करना शुरू कर दिया है। सभी लोंगो को हिदायत दी है कि वाहनों को सड़कों पर पार्क न करें। सभी से निर्धारित पार्किंग में ही वाहन पार्क करने के लिए कहा गया है। अधिवक्ता सय्यद नदीम मून ने स्थानीय लोगों के हितों को देखते हुए कोर्ट से कहा कि वाहनों का चालान करना इस समस्याका समाधान नहीं है। प्रशासन को इस समस्या का समाधान करने के लिए सरकारी व प्राइवेट छोटी छोटी पार्किंग बनानी चाहिए। वर्षों से लोग यहां पर रह रहे है अगर किसी का स्वास्थ्य खराब होता है तो रात को वह बिना वाहन के इलाज कराने के लिए कैसे जाएगा। उस वक्त कोई व्यवस्था नहीं होगी। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए एक सप्ताह बाद की तिथि नियत की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। अधिवक्ता श्रुति जोशी ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा था कि शहर के अंदरूनी मार्गों पर स्थित होटल स्वामियों और स्थानीय लोगों की ओर से सड़क पर ही वाहन पार्क किए जा रहे है जिसकी वजह से जू रोड, बिडला रोड, स्नोव्यू सहित सीआरएसटी रोड पर जाम लग जाता है जबकि शहर की 45 प्रतिशत आबादी इसी क्षेत्र में रहती है।

जाम लगने से स्कूली बच्चे व कर्मचारी तय समय पर स्कूल या कार्यालय नहीं पहुंच पा रहे हैं। अधिक जाम लगने से पैदल चलने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जनहित याचिका में कोर्ट से प्रार्थना की गई कि जिन होटल की ओर से रोड पर वाहन पार्क कराए जा रहे हैं और उनकी वजह से जाम लगता है उनके वाहनों को निर्धारित पार्किंग में ही वाहन पार्क कराने के आदेश दिए जाएं। साथ ही दो दिन के लिए बिडला रोड के ट्रैफिक को व्यवस्थित किया जाए क्योंकि स्कूल में शीतकालीन अवकाश घोषित होने वाला है।

चेहरे के दाग-धब्बों से हैं परेशान, तो छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये आसान घरेलू उपाय

एनटीवी

शायद ही कोई ऐसा हो जिसे ग्लोइंग स्किन की चाहत नहीं। अक्सर महिलाएं खूबसूरत नजर आने के लिए कई महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं पार्लर में जाकर मेकअप करवाती हैं लेकिन इनमें मौजूद केमिकल स्किन को कई तरह से नुकसान पहुंचाते हैं जिससे त्वचा पर दाग-धब्बों की समस्या होती है। ऐसे में आप कुछ घरेलू उपाय अपनाकर दाग-धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं।

चेहरे पर दाग-धब्बे होने के कई कारण हो सकते हैं। शरीर में पोषक तत्वों की कमी से भी यह समस्या होती है, नींद की कमी या प्रदूषण की वजह से भी स्किन से जुड़ी समस्या हो सकती है, लेकिन कई बार मेलानिन जो की हमारे शरीर में स्किन को कलर देने वाला एक प्रोटीन होता है, इसके एक्सट्रा प्रोडक्शन के कारण भी चेहरे पर काले घेरे, झाइयां, धब्बें और पैचेस दिखाई पड़ने लगते हैं।

कई बार एक्जिमा, फंगल इंफेक्शन, तरह-तरह के मार्केट में मिलने वाले जंक फूड भी चेहरे पर पड़ने वाले एजिंग इफेक्ट और दाग-धब्बों के कारण हो सकते हैं। इसके अलावा नशीली चीजों का सेवन और मेंटल फिजिकल स्ट्रेस के कारण भी त्वचा से जुड़ी समस्या होती है। आइए जानते हैं, चेहरे के दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के कुछ आसान और घरेलू उपायअपना सकते हैं।

आलू से मसाज करें

आलू को छिलके सहित कद्दूकस करके इससे अपने पूरे चेहरे का दिन में दो बार दस मिनट तक मसाज करें और फिर आधे घंटे तक लगा रहने दें और फिर धुलें। ऐसा लगातार 10 दिनों तक करने से दाग और धब्बों से छुटकारा मिलता है।

आलू का पेस्ट, चंदन और गुलाब जल

आलू के पेस्ट में चंदन पाउडर और गुलाब जल मिलाकर फेस पैक तैयार करें और इसे अपने चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धुलें। अब किसी अच्छे से मॉइश्चराइजिंग क्रीम को लगाएं। इसे भी दिन में दो बार लगाएं, रिजल्ट बेहतर मिलेगा।

एलोवेरा जेल और मुल्तानी मिट्टी

ताजे ऐलोवेरा जेल में मुल्तानी मिट्टी और थोड़ा-सा दूध हल्दी पाउडर मिलाकर फेस पैक तैयार करें। इसे अपने चेहरे पर लगाएं।
सूखने पर नॉर्मल पानी से धो लें।
नींबू का रस, हल्दी पाउडर और टमाटर
टमाटर का स्मूद पेस्ट बनाकर इसमें हल्दी पाउडर और आधे नींबू का रस मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाएं, सूखने के बाद चेहरा धो लें।

नींबू का रस और चंदन पाउडर

नींबू के रस में शहद और चंदन पाउडर मिलाकर इसे पूरे चेहरे पर लगाएं और सूखने पर नॉर्मल पानी से साफ करें। बेदाग त्वचा के लिए इसे एक हफ्ते लगातार लगाएं।

क्या आपका पार्टनर करता है आपसे सच्चा प्यार या कर रहा है टाइम पास? ऐसे लगाएं पता

एनटीवी

जब आप किसी के साथ प्यार के रिश्ते में जुड़ते हैं, तो आपकी उम्मीद होती है कि आपका पार्टनर आपका आदर करे, आपसे प्यार करे और आपसे कभी झूठ न बोले आदि। दरअसल, प्यार का रिश्ता होता ही खूबसूरत है। हालांकि, इस रिश्ते में जितना प्यार होता है उतनी ही खटपट भी इसी रिश्ते में होती है। पर कई बार ये खटपट इतनी बड़ जाती है कि लोग अपने ही पार्टनर पर शक करने लगते हैं। जबकि, कई लोग अपने पार्टनर को सच में धोखा तक दे देते हैं। वहीं, कई लोग पहचान ही नहीं पाते हैं कि उनका पार्टनर सच में उनसे प्यार करता है या वो केवल टाइम पास कर रहा है। अगर आप भी इस सवाल का जवाब जानना चाहते हैं, तो आप अपने पार्टनर की कुछ आदतों से ये जान सकते हैं। तो चलिए जानते हैं ये आदतें क्या हैं...

कैसे पता करें पार्टनर आपसे प्यार करता है या नहीं? इन आदतों से पहचान सकते हैं:

नंबर 1

अगर आप दुखी हैं और आपका पार्टनर आपको देखते ही ये जान जाए, तो ये इशारा हो सकता है कि वो आपसे प्यार करता है। पर अगर आपका पार्टनर अपने में ही व्यस्त है और वो आप पर ध्यान नहीं दे रहा है, तो हो सकता है कि वो सिर्फ टाइम पास कर रहा हो।

कैसे पता करें पार्टनर आपसे प्यार करता है या नहीं?

नंबर 2

अगर आपका पार्टनर आपको गलत चीजों पर रोकता है, टोकता है और डांट भी देता है तो यानी वो आपकी चिंता करता है और ये इशारा हो सकता है कि वो आपसे प्यार भी करता है। जबकि, आपके किसी गलत कदम उठाने पर भी आपका पार्टनर आपको कुछ नहीं कहता, तो हो सकता है कि वो सिर्फ टाइम पास ही कर रहा हो।

कैसे पता करें पार्टनर आपसे प्यार करता है या नहीं

नंबर 3

अगर आप किसी के साथ प्यार में हैं और आपका पार्टनर अगर आपको अपनी फैमिली से मिलाने की बात न टालता हो और कभी भी मिलाने को तैयार हो, तो यानी वो आपके साथ प्यार के रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहता है। पर अगर आपका पार्टनर फैमिली से मिलाने की बात को टालता हो या इससे बचता हो, तो ये बात इशारा करती है कि वो आपके साथ टाइम पास कर रहा है।

कैसे पता करें पार्टनर आपसे प्यार करता है या नहीं

नंबर 4

अगर आपका पार्टनर आपसे हमेशा बात करता है, आपके साथ समय बिताता है, आपकी दुख-तकलीफ में हमेशा आपके साथ खड़ा रहता है, तो ये एक अच्छे रिलेशनशिप की निशानी होती है।
वहीं, अगर आपका पार्टनर आपको इग्नोर कर रहा है, आपके कॉल नहीं उठा रहा है आदि। तो हो सकता है कि वो आपके साथ टाइम पास कर रहा हो।

शादी से पहले हेल्दी और शाइनी बालों के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

एनटीवी

अगर आप भी लंबे, हेल्दी और शाइनी बाल पाना चाहती हैं, तो इसके लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल में थोड़ा सा बदलाव करना होगा। ऐसे में बालों को हेल्दी और शाइनी बनाने के लिए आपको यह टिप्स अपनाने चाहिए।
काले, लंबे और घने बाल हर किसी को पसंद होते हैं। ऐसे में महिलाएं हो या फिर पुरुष सभी अपने बालों को हेल्दी और शाइनी बनाए रखने के तरीके खोजते हैं। वहीं शादियों के सीजन की भी शुरूआत हो चुकी है। ऐसे में लड़का हो या लड़की सभी अपने बालों, स्किन आदि को बेहतर बनाने के लिए कई तरह के उपाय करते हैं। बता दें कि हमारे खानपान का असर हमारी सेहत पर पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी लंबे, हेल्दी और शाइनी बाल पाना चाहती हैं, तो इसके लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल में थोड़ा सा बदलाव करना होगा। हम आपको बताने जा रहे हैं कि आपको अपनी डाइट में किन चीजों को शामिल करना चाहिए। जिससे आपके बालों को पर्याप्त पोषण मिल सके।
तेल से करें मसाज
बालों को हेल्दी और शाइनी बनाने के लिए आप सिर पर तेल की मसाज जरूर करें।
इसके लिए आप नारियल तेल, जैतून तेल और तिल के तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इन तेलों में प्रर्याप्त मात्रा में विटामिन और मिनरल्स पाया जाता है।
जो आपके बालों को हेल्दी और शाइनी बनाने में मदद करेंगे। बता दें कि तिल के तेल में आयरन, कॉपर, जिंक, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। जो आपके बालों की हेल्थ के लिए अच्छे होते हैं। वहीं नारियल तेल में कैल्शियम, मैग्नीशियम, मिनरल्स और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।
बालों के लिए जरूरी है प्रोटीन
इसके साथ ही बालों को हेल्दी बनाने के लिए आप अपनी डाइट में प्रोटीन से भरपूर फूड्स को शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप दही, अंडा, मूंगफली और सोयाबीन का सेवन कर सकती हैं। अगर आप प्रोटीन से भरपूर डाइट लेती हैं, तो इसका असर जल्द ही आपको सेहत और बालों दोनों पर देखने को मिलेगा।
हरी सब्जियों का करें सेवन
बालों को लंबा और घना बनाने के लिए आप फल और सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल करें, जिससे आपके बालों की क्वालिटी में सुधार होता है। २फल और सब्जियों में अच्छी मात्रा में मिनरल्स, विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। जो आपके बालों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं और अच्छी ग्रोथ देते हैं। वहीं करी पत्ता जिसे मीठी नीम भी कहा जाता है, यह भी आपके बालों को बेहतर बनाने में मदद करता है।
ध्यान रखें ये बातें
अगर आप भी बालों की ग्रोथ के साथ इनको शाइनी और हेल्दी बनाना चाहते हैं। तो तली भुनी और मीठी चीजों का कम से कम सेवन करें। बालों को धोने के फौरन बाद शैंपू न करें। साथ ही समय पर बालों में तेल जरूर डालें। रोजाना स्कैल्प की मसाज करें। इससे ब्लड फ्लो अच्छा होगा और बालों की ग्रोथ अच्छी होगी।

सर्दियों में भी आसानी से कम होगा वजन, बस रोजाना पिएं ये डिटॉक्स ड्रिंक्स

एनटीवी

वजन कम करने के लिए लोग जिम में घंटों पसीने बहाते हैं। इसके अलावा कई तरह के डाइट फॉलो करते हैं। बेशक इनसे वजन कम होने में मदद मिलती है, लेकिन सर्दियों के मौसम वेट लॉस करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है।
आजकल बढ़ते वजन के कारण हर दूसरा व्यक्ती परेशान है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, मोटापा के कारण डायबिटीज, हृदय रोग आदि कई जानलेवा बीमारियों का खतरा रहता है।

ऐसे में आपको इस मौसम में बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए डाइट में खास बदलाव करना चाहिए।

वेट लॉस करने के लिए आप अपनी डाइट में कुछ खास ड्रिंक्स शामिल कर सकते हैं। इन्हें घर पर बनाना भी काफी आसान है। चलिए बिना देर किए जानते हैं सर्दियों में वजन कम करने के लिए कौन-से ड्रिंक्स आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

ग्रीन जूस

पालक आयरन का समृद्ध स्रोत है। आप इसके साथ खीरा, सेब और नींबू का इस्तेमाल कर डिटॉक्स ड्रिंक बना सकते हैं।

इससे वजन कम होने में मदद मिलती है। इसे बनाने के लिए दो कप पालक, एक खीरा, दो सेब, एक छिला हुआ नींबू, अदरक इकट्ठा करें।

सभी सामग्रियों को अच्छी तरह धो लें, फिर खीरे और सेब को छोटे टुकड़ों में काट लें। सभी सामग्रियों को जूसर में डालें, इन्हें अच्छी तरह मिलाएं। इस ड्रिंक को पीने से वेट लॉस में मदद मिलती है।

चुकंदर का जूस

पोषक तत्वों से भरपूर चुकंदर सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है। अक्सर लोग चुकंदर का उपयोग सलाद में करते हैं। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो चुकंदर का जूस आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

इसे बनाने के लिए चुकंदर, गाजर, सेब और नींबू लें। इन्हें धो लें और काट कर रख लें। इन सभी सामग्रियों एक साथ जूसर में डालें और इससे जूस तैयार करें।

इसे रोजाना पीने से वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

अनानास का जूस

अनानास का जूस पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। जिससे वजन कम होने में मदद मिल सकती है। इसका जूस बनाने के लिए एक कप अनानास के टुकड़े, खीरा, अदरक को जार में डालकर जूस तैयार करें। इसमें नींबू का रस मिलाएं। इसे पीने से शरीर को ताजगी मिलती है, साथ ही वजन भी कम होता है।

स्ट्रॉबेरी का जूस

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर स्ट्रॉबेरी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। यह वजन कम करने में भी काफी मददगार है।

इसका जूस तैयार करने के लिए एक कप स्ट्रॉबेरी, सेब और नींबू का टुकड़ा लें।

सभी सामग्रियों को अच्छे से धो लें। इन सभी फलों को टुकड़ों में काट लें। अब इन्हें जार में रख दें, जूस तैयार कर लें। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर यह जूस वजन कम करने के साथ पाचन के लिए बेहद फायदेमंद है।

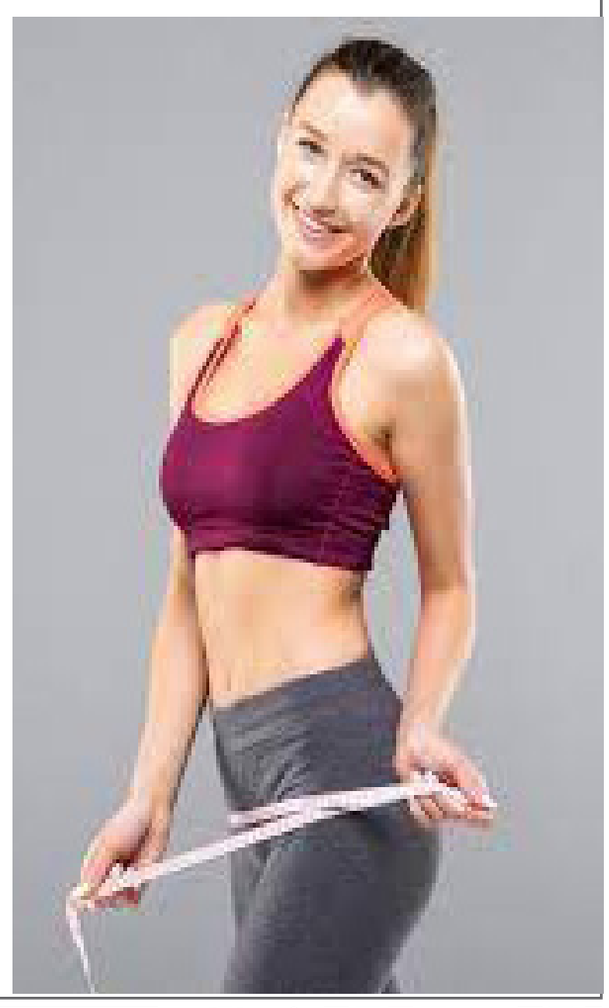

ग्रीन कैंपस पर मिलेगी संपत्तिकर में 5% की छूट, 10 एकड़ से अधिक के शैक्षणिक संस्थानों के लिए नया नियम

कचरे के पुनरचक्रण और कंपोस्टिंग प्रबंधन को प्रोत्साहन देने के लिहाज से एमसीडी ने ये महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे न केवल शैक्षिक परिसर के भीतर साफ सुथरा वातावरण बनेगा।

एनटीवी, दिल्ली

संपत्तिकर में छूट का लाभ लेने के लिए शैक्षिक संस्थानों को परिसर के भीतर उत्पन्न होने वाले अपने 100 फीसदी सूखे कचरे का पुनरचक्रण करना होगा।

शैक्षिक संस्थानों को ग्रीन कैंपस होने पर संपत्तिकर में पांच फीसदी छूट मिलेगी। बशर्ते परिसर का क्षेत्रफल 10 एकड़ से अधिक हो और परिसर में 100 फीसदी कचरे का पृथक्करण और पुनरचक्रण की व्यवस्था की गई हो, साथ ही यहां 100 फीसदी गीले कचरे से कंपोस्टिंग भी होती हो।

कचरे के पुनरचक्रण और कंपोस्टिंग प्रबंधन को प्रोत्साहन देने के लिहाज से एमसीडी ने ये महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे न केवल शैक्षिक परिसर के भीतर साफ सुथरा वातावरण बनेगा। बल्कि परिसर के बाहर भी सफाई व्यवस्था दुरुस्त होगी। ग्रीन कैंपस होने पर इसके आस पास से कचरे की ढुलाई में लगने वाले मानवीय और मशीनरी वाले संसाधन की बचत होगी। लैंडफिल साइटों पर कचरे का बोझ भी कम होगा। निगम ने सदन की बैठक में इसके लिए महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास किया है।

संपत्तिकर में छूट का लाभ लेने के लिए शैक्षिक संस्थानों को परिसर के भीतर उत्पन्न होने वाले अपने 100 फीसदी सूखे कचरे का पुनरचक्रण करना होगा। सभी गीले कचरे से कंपोस्ट तैयार करनी होगी। इसके

बाद भी यदि सूखा कचरा बच जाए तो इसे एमसीडी को देना होगा। इन शर्तों को पूरा करने पर ही संस्थान को संपत्तिकर में पांच फीसदी की छूट मिलेगी। छूट की रकम से संस्थान कोई भी विकास कार्य करा सकता है, इसके लिए संस्थान 30 दिन के भीतर निगम को अपना सुझाव दे सकता है।

दिल्ली की 350 से ज्यादा कॉलोनियों को निगम ने अबतक जीरो वेस्ट घोषित किया है, जहां 100% कचरे का पृथक्करण और पुनरचक्रण हो रहा। इन कॉलोनियों में गीले कचरे से कंपोस्ट तैयार हो रही। इन्हें संपत्तिकर में एकमुश्त 5% की छूट दी जा रही है। अब इन कॉलोनियों में संपत्तिकर के छूट की राशि से निगम विकास कार्य कराएगा।

दिल्ली की ऐसी सोसाइटियां और आरडब्ल्यूए जहां 90% लोगों ने संपत्तिकर का भुगतान कर दिया हो, इनके लिए संपत्तिकर में 10% की छूट का विधान है और यदि सोसाइटी में 100% कचरे का पृथक्करण व पुनरचक्रण हो रहा हो, तो इन्हें संपत्तिकर में 5% अतिरिक्त छूट देने का नियम है। लेकिन अबतक संपत्तिकर में छूट की रकम रिफंड करने का नियम था, निगम ने इसे बदल दिया है। अब छूट की कुल रकम रिफंड नहीं कर, निगम इससे सोसाइटी में विकास कार्य कराएगा।

एक महीने में कॉलोनियां बनीं जीरो वेस्ट

दिल्ली की ऐसी कई कॉलोनियां हैं, जहां आरडब्ल्यूए ने तय किया कि वे 100 फीसदी कचरे का समाधान खुद करेंगे। सम्राट कॉपरेटिव सोसाइटी मयूर विहार फेज तीन के नागरिकों ने इस साल 15 अप्रैल से इस पर काम शुरू किया और 30 मई को कॉलोनी जीरो वेस्ट घोषित हो गई। पूर्वी दिल्ली में वसुंधरा एनक्लेव में सीजीएचएस व इंस्टीट्यूट के सामूहिक संगठन ने आपसी सहयोग से 33 सोसाइटियों को जीरो वेस्ट बनाया।

अहमदाबाद और मुंबई से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट डायवर्ट, खराब मौसम के चलते लिया ये फैसला

एनटीवी ,नई दिल्ली

दिल्ली एयरपोर्ट पर खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण विस्तारा एयरलाइंस की दो फ्लाइट डायवर्ट की गई हैं। एयरलाइंस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस बात की जानकारी दी है। दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति बेहद खराब है। कई इलाकों मे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के पार पहुंच गया। राजधानी में हवा की सेहत बिगड़ रही है। केंद्र व दिल्ली सरकार की सख्ती के बावजूद वायु गुणवत्ता में सुधार नहीं हो रहा है। ऐसे में लोग दूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। उधर, दिल्ली एयरपोर्ट पर खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण विस्तारा एयरलाइंस की दो फ्लाइट डायवर्ट की गई हैं। विस्तारा एयरलाइंस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस बात की जानकारी दी है। पोस्ट में बताया गया है कि दिल्ली हवाई अड्डे पर खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण अहमदाबाद से दिल्ली जाने वाली उड़ान यूके906 को अहमदाबाद वापस भेज दिया गया है। इसके अलावा मुंबई से दिल्ली जाने वाली उड़ान यूके954 को जयपुर डायवर्ट कर दिया गया है।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, दिल्ली में खराब मौसम के कारण आज सुबह 7:30 बजे से 10:30 बजे के बीच 18 उड़ानों को जयपुर, लखनऊ, अहमदाबाद और अमृतसर के लिए डायवर्ट किया गया है।

नवंबर में 26 दिन रहा सांसों पर संकट

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में इस साल नवंबर माह में वर्ष 2022 की तुलना में गंभीर श्रेणी में हवा के दिन तीन गुना बढ़े हैं। यही नहीं बेहद खराब श्रेणी के दिन भी बढ़ गए हैं। 26 दिन सांसों पर संकट रहा। वहीं, चार दिन हवा खराब श्रेणी में रही। इस साल नवंबर माह एक भी दिन ऐसा नहीं रहा, जब हवा सामान्य श्रेणी में दर्ज की गई हो। हालांकि, खराब श्रेणी हवा के दिन में कमी देखने को मिली है।

विशेष बात यह है कि ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू है। ऐसे में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकारी व प्रशासनिक दावों की कार्यप्रणाली पोल खोल रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक, प्रदूषण के बढ़ने के पीछे की वजह दिल्ली व पड़ोसी राज्यों में हवा की गति कम होना है। इसके अलावा दिवाली के बाद पराली जलाने की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इससे वायु प्रदूषण में इजाफा हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

क्या जेल से चलानी चाहिए सरकार! 'मैं भी केजरीवाल' अभियान में लोगों से रायशुमारी कर रहीं AAP मंत्री आतिशी

नई दिल्ली।आम आदमी पार्टी ने अपने हस्ताक्षर अभियान मैं भी केजरीवाल की शुक्रवार से शुरूआत कर दी है। आज शनिवार को अभियान के दूसरे दिन आप की वरिष्ठ नेता और मंत्री आतिशी लोगों से जनसभा करेंगी।

जानकारी के अनुसार मैं भी केजरीवाल अभियान में आज दूसरे दिन दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी जनसंवाद करेंगी और लोगों से पूछेंगी कि जांच एजेंसी द्वारा केजरीवाल को जेल से सरकार चलानी चाहिए।

आम आदमी पार्टी ने अपने हस्ताक्षर अभियान मैं भी केजरीवाल की शुक्रवार से शुरूआत कर दी है। आज शनिवार को अभियान के दूसरे दिन आप की वरिष्ठ नेता और मंत्री आतिशी लोगों से जनसभा करेंगी।

जानकारी के अनुसार, मैं भी केजरीवाल अभियान में आज दूसरे दिन दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी जनसंवाद करेंगी और लोगों से पूछेंगी कि जांच एजेंसी द्वारा केजरीवाल को जेल से सरकार चलानी चाहिए या इस्तीफा दे देना चाहिए।

बुकलेट में दर्ज किए लोगों के जवाब

आपको बता दें कि इस अभियान में आप सरकार के मंत्री और कार्यकर्ता नगर निगम के 250 वार्ड में लोगों के घर-घर जाकर मैं भी केजरीवाल अभियान में लोगों से पूछा कि क्या मोदी जी भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं। क्या केजरीवाल को गिरफ्तारी के बाद इस्तीफा दे देना चाहिए या जेल से ही सरकार चलानी चाहिए है। इन सभी सवालों के जवाबों और हर घर का ब्योरा एक बुकलेट में दर्ज किया जा रहा है। साथ ही गोपाल राय ने लोगों शराब घोटाले के बारे में जानकारी देते हुए बता रहे हैं कि यह घोटाला फर्जी है।

20 दिन चलेगा अभियान

शुक्रवार से शुरू हुआ आप का ह्यमैं भी केजरीवालह्न हस्ताक्षर अभियान 20 दिसंबर तक चलेगा। इस अभियान में आप सरकार के मंत्री, विधायक, पार्षद और पदाधिकारी दिल्ली के 2600 पोलिंग स्टेशनों में घर-घर जाएंगे और लोगों से चर्चा कर उनकी राय जानेंगे। फिर 21 से 24 दिसंबर तक विधायक और पार्षद सभी वार्डों में जनसंवाद करके भी जनता की राय लेंगे।

दिल्ली में गोवंश के अवशेष मिलने पर हंगामा, गुस्साए लोगों ने महरौली-बदरपुर रोड पर लगाया जाम

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के तुगलकाबाद गांव के सरकारी स्कूल के पास शनिवार सुबह-सुबह गोवंश के अवशेष मिलने से हंगामा हो गया। ग्रामीणों ने गायों की हत्या करने का आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और मौके से बरामद हुए गोवंश के अवशेष को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दिल्ली में गोवंश के अवशेष मिलने पर हंगामा, गुस्साए लोगों ने महरौली-बदरपुर रोड पर लगाया जाम दिल्ली में गोवंश के अवशेष मिलने पर हंगामा, गुस्साए लोगों ने महरौली-बदरपुर रोड पर लगाया जाम दक्षिणी दिल्ली के तुगलकाबाद गांव के सरकारी स्कूल के पास शनिवार सुबह-सुबह गोवंश के अवशेष मिलने से हंगामा हो गया। ग्रामीणों ने गायों की हत्या करने का आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया। पुलिस के अनुसार, तुगलकाबाद गांव के सरकारी स्कूल के पास शनिवार को गोवंश का अवशेष मिलने पर इलाके के गुस्साए लोगों ने हंगामा करते हुए महरौली-बदरपुर रोड पर जाम लगा दिया।

बदमाशों ने बिजली केंद्र पर बोला धावा, चाकू से कई वार करके लाइनमैन को किया घायल

एनटीवी, दिल्ली

विरोध पर बदमाशों ने लाइनमैन श्रीपाल पर चाकू से कई वार कर दिए। घायल होने के बाद भी श्रीपाल ने शोर मचा दिया। आसपास के लोगों की मदद से बदमाशों का पीछा कर एक को दबोच लिया। पकड़े गए बदमाश को पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

नोएडा के सेक्टर-80 के ए-ब्लॉक स्थित बिजली उपकेंद्र में बृहस्पतिवार देर रात बदमाशों ने धावा बोल दिया। विरोध पर बदमाशों ने लाइनमैन श्रीपाल पर चाकू से कई वार कर दिए। घायल होने के बाद भी श्रीपाल ने शोर मचा दिया। आसपास के लोगों की मदद से बदमाशों का पीछा कर एक को दबोच लिया। पकड़े गए बदमाश को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। उसकी पहचान मोनू निवासी सूरजपुर के रूप में हुई है। फेज दो कोतवाली पुलिस ने घायल

श्रीपाल के बयान के आधार पर केस दर्ज कर मोनू को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुट गई है। बृहस्पतिवार रात करीब 11:30 बजे सेक्टर-80 के बिजली सब स्टेशन में लूट के इरादे से तीन-चार बदमाश आ धमके। आरोपी नए ट्रांसफार्मर से कॉपर व अन्य सामान निकालने लगे। वहां तैनात लाइनमैन श्रीपाल ने इसका विरोध किया। बदमाशों ने श्रीपाल पर हमला कर दिया। चाकू श्रीपाल के पेट, हाथ, नाक और आंख के पास कई वार किए। शोर मचाने पर आसपास के लोग भी जमा होने लगे। लोगों को आते देख बदमाश वहां से भागने लगे। घायल होने के बाद भी श्रीपाल ने आरोपियों का पीछा किया। लोगों की मदद से बदमाश मोनू को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। छानबीन में पुलिस को पता चला कि आरोपी मोनू पर विभिन्न थानों में 14 मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस उसके साथियों की तलाश में जुटी है।

अगले साल तक तैयार हो जाएंगे 4360 बिस्तरों के चार अस्पताल, पीडब्ल्यूडी करा रहा है निर्माण

● पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के अनुसार, कोरोना के दौरान इन अस्पतालों का निर्माण कार्य शुरू किया गया था।

नई दिल्ली

राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने लिए बनाए जा रहे चार नए अस्पताल अगले वर्ष तक बनकर तैयार हो जाएंगे। चारों अस्पताल 4360 बेड के हैं। इन अस्पतालों का वर्तमान में निर्माण कार्य 50 से 90 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के अनुसार, कोरोना के दौरान इन अस्पतालों का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। मौजूदा समय में ग्रैप की पाबंदियां खत्म होने से सभी का निर्माण कार्य चल रहा है। सभी अस्पताल अगले वर्ष अप्रैल से दिसंबर तक

अलग-अलग महीने में बनकर तैयार हो जाएंगे। ज्वालापुरी, मादीपुर, हस्तसाल 1000 बेड और सिरसपुर में 1360 बेड का अस्पताल बन रहा हैं। निर्माण कार्य की स्थिति को देखें तो ज्वालापुरी अस्पताल का निर्माण कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। मादीपुर अस्पताल का निर्माण कार्य 90 प्रतिशत, हस्तसाल अस्पताल का निर्माण कार्य 50 प्रतिशत और सिरसपुर अस्पताल को निर्माण कार्य 75 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। तय समय पर नहीं हो पाया निर्माण कार्य पूरा निमार्णाधीन चारों अस्पतालों का निर्माण कार्य तय समय पर पूरा नहीं किया जा सका है। इन अस्पतालों में दो अस्पताल ज्वालापुरी और मादीपुर अस्पताल का निर्माण कार्य वर्ष 2022 में पूरा किया जाना था, वहीं हस्तसाल और सिरसपुर अस्पताल का निर्माण कार्य वर्ष 2023 में पूरा होने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन ये अस्पताल 11 से 30 माह की देरी से निमार्णाधीन हैं। अधिकारियों का कहना है कि अस्पतालों के निर्माण में देरी के कई कारण है। इनमें कोविड की वजह से देरी हुई, साथ ही योजनाओं को लेकर वित्तीय मंजूरी मिलने और प्रदूषण की वजह से लगी पाबंदियों का भी असर परियोजनाओं पर पड़ा। इसके अलावा शुरू में ज्वालापुरी, मादीपुर, हस्तसाल में बनने वाले अस्पतालों को 691 बेड का बनाया जाना था। बाद इन अस्पतालों के बेड को बढ़ा कर एक हजार कर दिया गया। उत्तरी, बाहरी और पश्चिमी दिल्ली के लोगों को मिलेगी सुविधा

चारों अस्पतालों के तैयार हो जाने से उत्तरी, बाहरी और पश्चिमी दिल्ली के लाखों लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। इन इलाकों में प्रमुख रूप से द्वारका में इंदिरा गांधी अस्पताल, सुल्तानपुरी में संजय गांधी अस्पताल और रोहिणी में अम्बेडकर अस्पताल हैं। इन अस्पतालों में हजारों लोग आते हैं। अधिकारियों का कहना है कि उक्त चारों अस्पतालों के बनकर तैयार हो जाने के बाद उक्त इलाकों के निवासियों को बेहत स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी।

नोएडा में 600 आपराधिक मामलों का कैमरे ने किया खुलासा

नोएडा

नोएडा प्राधिकरण ने शहर के विभिन्न चौराहों पर आधुनिक दृश्यता वाले सीसीटीवी कैमरे और पब्लिक एड्रेस (पीए) सिस्टम लगाए हैं। इनकी मदद से शहरवासियों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी देने के साथ यातायात व्यवस्था पर भी नजर रखी जाती है। वहीं इन्हीं कैमरों की मदद से आपराधिक वारदात के खुलासे में मदद मिल रही है। सेफ सिटी परियोजना के तहत शहर के प्रमुख 82 स्थानों पर लगाए गए इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के एचडी कैमरे वाहन चालकों के साथ अपराधियों पर भी कड़ी नजर रख रहे हैं। चौराहों पर बीते साल मई और जून में लगाए गए कैमरों से मिले सीसीटीवी फुटेज से अब तक 600 से ज्यादा वारदात का खुलासा किया जा चुका है। परियोजना के तहत अब और बेहतर क्षमता और तकनीक वाले कैमरे लगाने की तैयारी की जा रही है, ताकि इनकी मदद से शहर में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश

लगाने में मदद मिल सके। नोएडा प्राधिकरण ने शहर के विभिन्न चौराहों पर आधुनिक दृश्यता वाले सीसीटीवी कैमरे और पब्लिक एड्रेस (पीए) सिस्टम लगाए हैं। इनकी मदद से शहरवासियों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी देने के साथ यातायात व्यवस्था पर भी नजर रखी जाती है। वहीं इन्हीं कैमरों की मदद से आपराधिक वारदात के खुलासे में मदद मिल रही है। अधिकारियों ने बताया कि वारदात के बाद अपराधी जिस रास्ते से फरार होते हैं वहां चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों में उनकी तस्वीरें कैद हो जाती हैं। बाद में रूट और समय के आधार पर कैमरों के फुटेज खंगालकर अपराधियों को दबोच लिया जाता है। इन कैमरों की मदद से शहर में हत्या, लूट, स्नेचिंग आदि के 600 मामलों का खुलासा हो चुका है। क्यों अलग हैं आईटीएमएस परियोजना के कैमरे आईटीएमएस परियोजना के कैमरे चारों तरफ घूम सकते हैं। इसमें दूर व नजदीक (जूम इन और जूम आउट) दोनों तरह की तस्वीरें कैद करने की क्षमता है। जिससे बिना हेलमेट, बाइक पर तीन सवारी, नंबर प्लेट आदि को पहचान करने में मदद मिलती है। इसकी दृश्यता क्षमता और रेज्यूलेशन भी काफी अधिक होता है। शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों से ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और वारदात को सुलझाने में भी मदद मिल रही है। इसमें और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर बातचीत चल रही है। इनकी मदद से करीब 600 वारदात का पदार्फाश किया जा चुका है। - अनिल कुमार यादव, डीसीपी ट्रैफिक नोएडा। सेक्टर-126 कोतवाली क्षेत्र में 10 मई 2022 को बाइक पर सवार दो बदमाशों ने नंबर प्लेट पर मिट्टी डालकर हत्या की वारदात की। आरोपी महामाया फ्लाईओवर होकर चिल्ला बॉर्डर के रास्ते दिल्ली चले गए। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की गहनता से छानबीन की। कैमरे में दिख रहे जूते और जींस के रंग के आधार पर आरोपियों की तलाश की। अंततः पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई। सिलेरियो कार सवार बदमाशों ने सेक्टर-37, बोटेनिकल गार्डन, सिटी सेंटर समेत अन्य स्थानों से कार में लिफ्ट देकर लूटपाट की वारदात की। पीड़ियों की शिकायत पर कार नंबर की पहचान की गई। जांच में नंबर के फर्जी निकलने का खुलासा हुआ। हालांकि पुलिस ने उस नंबर को आईटीएमएस में फीड कर दिया। जिससे कार के सीसीटीवी कैमरे की जद में आते ही कंट्रोल रूम में अलर्ट मिलने लगा। जनवरी में मिले अलर्ट के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सेक्टर-62 के रजत विहार निवासी व्यापारी की हत्या के मामले में पुलिस के हाथ न कोई सबूत था न कोई गवाह। पुलिस ने वारदात के दस मिनट के अंतराल की वीडियो फुटेज निकाल कर गहनता से छानबीन की।

Tihar Jail के 50 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फरमान जारी, ये हैं कारण

नई दिल्ली

तिहाड़ जेल प्रशासन ने अपने 50 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फरमान जारी कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि वेरिफिकेशन ड्राइव के दौरान उनके बायोमेट्रिक आइडेंटिफिकेशन रिकॉर्ड्स में विसंगति पाए जाने के बाद तिहाड़ जेल प्रशासन ने बर्खास्तगी का नोटिस दिया है। बर्खास्त किए गए 50 कर्मचारियों में से 39 वार्डर 9 असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट और 2 मैट्रन हैं।

तिहाड़ जेल के 50 कर्मचारियों को किया गया बर्खास्त। तिहाड़ जेल प्रशासन ने अपने 50 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फरमान जारी कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि वेरिफिकेशन ड्राइव के दौरान उनके बायोमेट्रिक आइडेंटिफिकेशन रिकॉर्ड्स में विसंगति पाए जाने के बाद तिहाड़ जेल प्रशासन ने बर्खास्तगी का नोटिस दिया है।

तिहाड़ जेल प्रशासन के मुताबिक, बर्खास्त किए गए 50 कर्मचारियों में से 39 वार्डर, 9 असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट और 2 मैट्रन हैं। अधिकारियों ने कहा कि नोटिस दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसबी) के निदेर्शानुसार दिया गया था, जिसने इसको लेकर परीक्षा आयोजित की थी और इन तीन पदों पर लगभग 450 आवेदकों की भर्ती की।

50 कर्मचारियों की नहीं मिली बायोमेट्रिक पहचान

उन्होंने बताया कि इन 450 कर्मचारियों में से 50 की बायोमेट्रिक पहचान मेल नहीं खा रही है, जिसके कारण उन्हें बर्खास्तगी का नोटिस दिया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि मुझे संदेह है कि किसी और ने उनकी परीक्षा ली थी। अधिकारी ने बताया कि ये सभी कर्मचारी दो साल के लिए परिवीक्षा अवधि पर थे

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संजय सिंह के खिलाफ ईडी ने चार्जशीट की दाखिल

नई दिल्ली

उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दायर की। संजय को अक्टूबर 2023 में ईडी ने गिरफ्तार किया था। तब से ही आप सांसद संजय सिंह तिहाड़ जेल में हैं। 24 नवंबर संजय सिंह को कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए उनकी हिरासत एक बार फिर बढ़ा दी थी। कोर्ट ने चार दिसंबर तक की हिरासत बढ़ा दी थी। इससे पहले संजय सिंह को कोर्ट ने 10 नवंबर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था। संजय सिंह ने जमानत के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट, दिल्ली हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में याचिका दायर की थी, लेकिन अभी तक उन्हें इसमें सफलता नहीं मिली है। ईडी का मनी लॉन्ड्रिंग का मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एफआईआर से संबंधित है। सीबीआई और ईडी के अनुसार, अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 को संशोधित करते समय अनियमितताएं बरती गईं और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। यह आरोप लगाया गया है कि संजय सिंह ने नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने मौद्रिक कारणों से कुछ शराब निमार्ताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को लाभ पहुंचाया।

किताबों से बनाया प्रवेश द्वार, पुस्तकायन में देशभर से आए साहित्यकार-कलाकार

● प्रधानमंत्रियों के भाषण का संग्रह, कला संस्कृति और बाल साहित्य, आधुनिक भारत जैसे विषयों पर 300 से ज्यादा किताबें यहां से खरीदी जा सकती हैं।

दिल्ली

साहित्य अकादमी ने दूसरे साल पुस्तकायन आयोजित किया है। इस बार यहां बेशकीमती किताबों के 50 स्टाल हैं। इनपर देश के जाने माने प्रकाशक अपनी चुनिंदा किताबों के साथ मौजूद हैं। प्रकाशन विभाग कला संस्कृति की किताबों की पूरी लाइब्रेरी लेकर उपस्थित हुआ है। मंडी हाउस पर रवींद्र भवन परिसर में इन दिनों साहित्य का संसार बसा हुआ है। साहित्य अकादमी की ओर से आयोजित पुस्तक मेले पुस्तकायन में संस्कृत, हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी की अनगिनत किताबें और साहित्यकार व कलाकार मौजूद हैं। इसमें मुशायरे और कवि सम्मेलन भी हो रहे, पसंदीदा लेखकों से मिलने के लिए अलग कॉर्नर है। कहानी, जीवनी, नृत्य, संगीत, वास्तुकला, इतिहास की

अनगिनत किताबें हैं। पुस्तक मेले का द्वार भी किताबों से ही खूबसूरत अंदाज में तैयार किया गया है। साहित्य अकादमी ने दूसरे साल पुस्तकायन आयोजित किया है। इस बार यहां बेशकीमती किताबों के 50 स्टाल हैं। इनपर देश के जाने माने प्रकाशक अपनी चुनिंदा किताबों के साथ मौजूद हैं। प्रकाशन विभाग कला संस्कृति की किताबों की पूरी लाइब्रेरी लेकर उपस्थित हुआ है। प्रधानमंत्रियों के भाषण का संग्रह, कला संस्कृति और बाल साहित्य, आधुनिक भारत जैसे विषयों पर 300 से ज्यादा किताबें यहां से खरीदी जा सकती हैं। राजकमल प्रकाशन, प्रभात प्रकाशन, साहित्य अकादमी पत्रिका की लोकप्रिय किताबें यहां बिक रहीं। तंजुमन की 200 से ज्यादा शेरॉ, शायरी की उर्दू, हिंदी में किताबें हैं। एकलव्य, नियोगी, प्रिंट के ढेरों साहित्य हैं। रेख्ता फाउंडेशन की 100 से ज्यादा उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी में किताबें हैं, दीवाने गालिब अंग्रेजी में भी उपलब्ध हैं। मेले में कई ऐसे स्टॉल भी हैं जो बच्चों पर केंद्रित हैं। इनमें मुख्यतः बच्चों को लुभाने वाली किताबें, पत्रिकाएं, खिलौने व संगठनों से जुड़े बच्चों द्वारा बनाई गई सामग्री शामिल हैं। दुकानदारों का कहना है कि मेले से होने वाली कमाई को बच्चों पर खर्च किया जाएगा। बच्चों को पंचतंत्र, वर्णावली, कार्टून वाली किताबें व लगभग पर दूसरी किताब खूब पसंद आ रही है। इन स्टॉल में आयोजकों का कहना है कि मेले के पहले दिन शुक्रवार से ही लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। आने वाले वीकेंड में अधिक भीड़ होने की उम्मीद है।

पेंटिंग स्वरूप में पूरी महाभारत

नियोगी बुक्स के स्टाल पर पेंटिंग स्वरूप में महाभारत के चार वॉल्यूम मौजूद हैं। इनके हरेक पन्ने पर मारवाड़ी पिक्चर पेंटिंग मिलेगी। इसकी संस्कृत, अंग्रेजी और हिंदी में व्याख्या की गई है। यहां कला, कहानी, वास्तुकला, नृत्य, संगीत और बाल साहित्य की करीब 500 से ज्यादा किताबें हैं।

लिफी पब्लिकेशन के यहां 50% तक छूट पर किताबें मिल रहीं। इसी तरह से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के स्टाल पर 30% छूट पर किताबें मिल रही हैं। मेला नौ दिसम्बर तक चलेगा।

फाइन आर्ट की किताबें ललित कला के पास

ललित कला अकादमी के पास फाइन आर्ट की किताबों की पूरी श्रृंखला है। इनके पास मॉडर्न आर्ट की ढेरों किताबें हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के स्टाल पर पांडुलिपियों और कला संस्कृति से जुड़ा साहित्य है। राजस्थानी शैल चित्रकला पर 120 किताबें हैं। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के स्टाल पर जीवनी और संस्थान से जुड़ी पत्रिकाओं का संग्रह है।

केंद्रीय मंत्री ने किया उद्घाटन

मेले में शुक्रवार को बच्चों के लिए पुस्तकालय का भी आगाज किया गया। इसका उद्घाटन भी केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया। इसमें बच्चों के लिए पंजाबी, नेपाली, उर्दू, तमिल व असमिया समेत देश की 24 क्षेत्रीय भाषाओं में किताबें उपलब्ध हैं।

संक्षिप्त खबरें

ऑटो सवार चिकित्सक और युवक से लूटे मोबाइल

गाजियाबाद। कविनगर और विजयनगर क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने दो लोगों से मोबाइल फोन लूट लिया। कविनगर में धीरज से पैदल आए बदमाश ने मोबाइल छीन लिया। धीरज ने भागकर युवक को दबोच लिया लेकिन वह नुकीली वस्तु से वार कर भाग गया। वहीं, विजयनगर में ऑटो सवार डॉ. स्वतंत्र निगोतिया से बाइक सवार दो बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया और आसानी से फरार हो गए। कविनगर क्षेत्र की बागवाली कॉलोनी निवासी उमेश सिंह का कहना है कि उनका बेटा धीरज 29 नवंबर की रात नौ बजे पांडवनगर से रेलवे लाइन के किनारे-किनारे घर जा रहा था। इसी दौरान एक युवक पीछे से पैदल आया और उससे मोबाइल छीनकर भाग गया। धीरज ने उसे पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह वार करके भाग गया। वहीं, क्रॉसिंग रिपब्लिक की लोहर शीश सोसायटी निवासी डॉ. स्वतंत्र निगोतिया का कहना है कि 29 नवंबर की रात करीब नौ बजे वह ऑटो में बैठकर निजामुद्दीन स्टेशन से घर जा रहे थे। जैसे ही वह एबीईएस अंडरपास के पास पहुंचे तो पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने उनके हाथ से मोबाइल छीन लिया और भाग गए।
कोट डीसीपी नगर निपुण अग्रवाल का कहना है कि दोनों मामलों में बदमाशों को ट्रेस करने के लिए टीमें लगी हैं। जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

माता-पिता को मेट्रो स्टेशन पर छोड़कर आठ लाख की नकदी-गहने लेकर युवती फरार

कौशांबी। माता-पिता को वैशाली मेट्रो स्टेशन पर छोड़कर युवती चार लाख रुपये नकद और करीब चार लाख के गहने लेकर गायब हो गई। मामला 9 नवंबर का है, पिता ने अब कौशांबी थाने में बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस युवती की तलाश के लिए मेट्रो स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज जांच रही है। मेरठ में रहने वाले दंपती अपनी 23 साल की बेटी के साथ कहीं जा रहे थे। वैशाली मेट्रो स्टेशन पर बेटी को सामान के पास छोड़कर पिता टिकट लेने चले गए, जबकि मां पैर में दिक्कत के कारण धीरे-धीरे चलकर आ रहीं थी। पिता जब टिकट लेकर पहुंचे तो बेटी मौजूद नहीं थी। आसपास तलाशा, लेकिन कोई अतापता नहीं लगा। थक-हारकर दंपती घर चले गए। लोक-लिहाज के डर से दंपती ने किसी को कुछ नहीं बताया और बेटी को तलाशने में जुट रहे। परिजन ने एक युवक पर संदेह जताते हुए थाने में शिकायत दी है। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

बरात की चढ़त के दौरान दूल्हे के पिता से डेढ़ लाख की लूट

साहिबाबाद। डिफेंस कालोनी में बरात की चढ़त के दौरान दूल्हे के पिता से लुटेरों ने डेढ़ लाख रुपये लूट लिए। सूचना पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल के पास लगे कैमरों की फुटेज खंगाली। टीलामोड़ थाने में लूट का मुकदमा दर्ज हुआ है। दिल्ली नजफगढ़ के गोपाल नगर निवासी कर्मवीर सिंह आर्मी से सेवानिवृत्त हैं। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि 27 नवंबर को उनके बेटे की बरात टीलामोड़ थाना क्षेत्र की डिफेंस कालोनी स्थित एक फार्म हाउस में आई थी। रात करीब 10:45 बजे फार्म हाउस से कुछ दूरी पर चढ़त का कार्यक्रम चल रहा था। इस बीच तेज रफ्तार से बाइक पर आए लुटेरों ने उनके हाथ से बैग लूट लिया।

लोनी में घुसपैठियों तक के फर्जी प्रमाण पत्र बनाए, तीन गिरफ्तार

- उन्हें दे दिया जाता था। प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर भी फर्जी किए जाते थे। कई लोगों से व्हाट्स एप और टेलीग्राम के जरिए संपर्क किया जाता था।

एनटीवी

लोनी। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने शुक्रवार को ट्रॉनिका सिटी में जालसाजों से ऐसे गिरोह को पकड़ा है, जो अब तक लगभग सात हजार फर्जी प्रमाण पत्र बना चुका है। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह रही कि बांग्लादेश से अवैध रूप से सीमा पार करके आने वाले घुसपैठियों के भी फर्जी प्रमाण पत्र बना दिए। इनके जरिए वे खुद को भारतीय बताकर रह रहे हैं। जालसाजों का जाल पूरे देश में फैला हुआ है। फ्रेंचाइजी देकर 436 केंद्र खुलवा चुके हैं। सभी केंद्रों में फर्जी प्रमाण पत्र बनाने का काम हो रहा है। गिरोह के पकड़े गए सदस्यों में साहिल निवासी बस्ती मास्टरमाइंड है। मौ. जुबैर निवासी प्रेमनगर लोनी, रियाजुद्दीन निवासी डीएलएफ अंकुर विहार, लोनी भी पकड़े गए हैं। साहिल ने पूछताछ में बताया कि गिरोह में जुबैर, इंदू अंसारी, अरसद, अनीश अहमद, शहीम अंसारी, इंद्रेश यादव, अफाक आलम, विवेक कुमार गुप्ता भी हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से प्रिंटर, लोमिनेशन मशीन, लैपटॉप, थंब स्कैनर, अस्पतालों और नगर पंचायतों के फर्जी हस्ताक्षर वाली रसीद बरामद की गई हैं। एसटीएफ के एएसपी विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि ये लोग अब तक 6,575 लोगों के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाए और 224 के फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाए हैं। बड़ी संख्या में लोगों को कोरोना के टीकाकरण के फर्जी प्रमाण पत्र भी बनाकर दिए गए। इनका इस्तेमाल विदेश जाने में भी किया गया है। फर्जी बेवसाइट का करते थे इस्तेमाल जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए जालसाजों ने असली से मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट बना रखी थी। सभी वेबसाइट को सॉफ्टवेयर डवलपर के जरिए चलवाया जा रहा था। लोग इन्हें असली समझकर आवेदन कर देते थे। आवेदन करने वाले लोगों से संपर्क करके उनसे आवेदन शुल्क के नाम पर 100 से 1000 रुपये तक रकम ली जाती थी। इसके बाद फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर उन्हें दे दिया जाता था। प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर भी फर्जी किए जाते थे। कई लोगों से व्हाट्स एप और टेलीग्राम के जरिए संपर्क किया जाता था। जिनके पास दस्तावेज नहीं होते थे या अधूरे होते थे, उनसे ज्यादा पैसे लिए जाते थे। गिरोह की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में लोग फर्जी प्रमाण पत्र ही बनवा रहे थे। इनमें घुसपैठिये भी शामिल हैं। (जैसा एसटीएफ ने बताया) फर्जी आधार कार्ड भी बनाए गए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र की मदद से बड़ी संख्या में आधार कार्ड भी बनवाए गए हैं। इसकी जानकारी एसटीएफ को मिली है। आधार कार्ड बनवाने वालों में बड़ी संख्या घुसपैठियों की है। लोनी में हाल ही में बांग्लादेशी नागरिक पकड़ा गया था। इससे पहले भी अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक पकड़े जा चुके हैं। उनके पास भी प्रमाण पत्र मिले थे। एसटीएफ का कहना है कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। जल्द ही कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। मृत्यु प्रमाण पत्र से बीमा लेने की आशंका गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में एसटीएफ को बताया है कि कई लोगों ने मृत्यु प्रमाण पत्र बीमा कंपनी में क्लेम करने के लिए बनवाए। आशंका है कि उनमें से कई को बीमे की राशि मिल भी गई होगी। एएसपी का कहना है कि बीमा कंपनियों को भी फर्जी प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी भेजी जाएगी। फर्जी प्रमाण पत्र बनवाने वाले लोगों पर भी कार्रवाई होगी।

सराफ को बातों में उलझाकर चुराए गहने, दो गिरफ्तार

मोदीनगर। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर थाने के निकट मनी ज्वेलर्स पर दो महिलाओं ने सराफ को बातों में उलझाकर गहने चुरा लिए। सराफ मेहुल गोयल ने सीसीटीवी कैमरा चेक किया तो चोरी का पता लगा। पुलिस ने दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके पास से गहने बरामद किए हैं। दोनों महिलाएं मुजफ्फरनगर से चोरी करने मोदीनगर आई थीं। मेहुल ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे दो महिलाएं खरीदारी करने शोरूम पर आईं। महिलाएं काफी देर तक गहने पंसद करती रहीं और बाद में बिना कुछ खरीदे ही जाने लगीं। शोरूम के सेल्समैन ने गहने चेक किए तो चांदी के गहने गायब मिले। सीसीटीवी कैमरों में महिलाएं गहने चोरी करती दिखीं। शोरूम की महिला कर्मचारी ने उनकी तलाशी ली तो बैग से गहने बरामद हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी ज्ञानप्रकाश राय ने पकड़ी गई महिलाओं के नाम गीता पत्नी बिट्टू और रोशनी पत्नी सुक्का निवासी मोहल्ला रामपुरी जनपद मुजफ्फरनगर बताया। दोनों महिलाएं किराए के मकान में रहती है और मुजफ्फरनगर से चोरी करने के लिए यहां आई थीं।

मणिपुर की टीम बनी फुटबाल चैंपियनशिप ग्रुप ए की विजेता

- दूसरे हाफ शुरू होते ही मणिपुर की टीम से ग्रेस ने खेल के 53 मिनट में गोल कर मणिपुर की बढ़त 7-0 कर दी।

एनटीवी

गाजियाबाद। महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में शुक्रवार को हुए फुटबॉल मैच में मणिपुर ने यूपी को 8-0 से हराया। शानदार प्रदर्शन करते हुए मणिपुर की टीम ने लगातार तीसरी बार मैच जीता जिससे वह सीनियर महिला नेशनल फुटबाल चैंपियनशिप ग्रुप ए की विजेता बनी है। मणिपुर की टीम ने कुल तीन मैच खेले हैं जिसमें वह एक भी बार पराजित नहीं हुई। टीम को विजेता ट्रॉफी और सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए गए। मणिपुर के फुटबॉल महासचिव को भी पुरस्कृत किया गया। चैंपियनशिप का आखिरी मैच छत्तीसगढ़ और राजस्थान के बीच तीन दिसंबर को खेला जाएगा। मैच शुरू होने के बाद सातवें और 12वें मिनट में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नगुगामा बाला देवी ने दो गोल कर मणिपुर को दो 2-0 की बढ़त दिलाई। नूराम प्रियंका देवी ने 20वें मिनट में गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। खेल के 32 और 37वें मिनट में दांगमे ग्रेस ने गोल कर स्कोर 5-0 कर दिया। मणिपुर की हेरुग जमा दया देवी ने खेल के 45वें मिनट में छठवां गोल किया। पहले हाफ में मणिपुर 6-0 से आगे रही। दूसरे हाफ शुरू होते ही मणिपुर की टीम से ग्रेस ने खेल के 53 मिनट में गोल कर मणिपुर की बढ़त 7-0 कर दी। खेल के 71 मिनट में केशुमा यूम मारगेट देवी ने गोल कर मणिपुर का स्कोर 8-0 कर दिया। यूपी की टीम एक भी गोल नहीं कर पाई। मैच में मुख्य अतिथि वैशाली अग्रवाल, एमडी डीपीएस हरित और विशिष्ट अतिथि राघवेंद्र सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि एआरटीओ गाजियाबाद रितु सिंह, फुटबॉल सचिव बागपत ने खिलाड़ियों से परिचय लिया। इस दौरान उत्तर प्रदेश फुटबाल संघ के कन्वीनर राणा अनवर, गाजियाबाद फुटबॉल एसोसिएशन सचिव हेमंत पवार, मुरादाबाद के सचिव नासिर कमाल, मिजार्पुर के सचिव आरिफ नजमी मौजूद रहे।

एक्सप्रेसवे पर 10 साल के बच्चे को कैंटर ने कुचला

- इस दौरान गाजियाबाद से मेरठ जा रहे कैंटर ने उसे कुचल दिया। उन्होंने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया।

एनटीवी

गाजियाबाद/मसूरी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे सिकरोड़ा के पास एक कैंटर ने समद (10) को कुचल दिया। हादसे में उसकी मौके पर मौत हो गई। वह अपने दो साथियों के साथ गांव से खेलते हुए एक्सप्रेसवे पर पहुंच गया था। मौके से कैंटर चालक फरार हो गया। गाजियाबाद से मेरठ की ओर जाने वाले रास्ते पर खून में लथपथ सड़क पर पड़े बच्चे के शव को देखकर एक कार चालक ने कार रोक ली। जैसे ही कार चालक ने ब्रेक लगाए इतने में पीछे से आ रहीं तीन कारें आपस में भिड़ गईं। चारों कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। गनीमत रही कि कार भिड़ने में कोई जनहानि नहीं हुई। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि समद पुत्र आरिफ सिकरोड़ा गांव के ही पूर्व माध्यमिक विद्यालय में चौथी कक्षा का छात्र था। घर से वह अपने दो साथियों के साथ खेलने गया था। खेल-खेल में समद एक्सप्रेसवे पर चला गया जबकि उसके साथी नीचे ही रहे। इस दौरान गाजियाबाद से मेरठ जा रहे कैंटर ने उसे कुचल दिया। उन्होंने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, शव को सड़क पर पड़ा देख रुकी स्विफ्ट कार में पीछे से घुसी अर्टिगा, स्कोडा और आई-10 कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। सभी कार चालक अपने-अपने वाहन लेकर चले गए। एडीसीपी यातायात रामानंद कुशवाहा का कहना है कि मामले में बच्चे के परिजनों की लापरवाही सामने आई है। एक्सप्रेसवे पर पैदल चलना और दो पहिया वाहन प्रतिबंधित है। गम में बदला खुशी का माहौल समद के चाचा अलाउद्दीन ने बताया कि समद की बुआ की पांच दिसंबर को शादी है। बरात बागपत केनिवाडे. से आनी है। घर में खुशी का माहौल था, शादी की तैयारियां चल रही थीं लेकिन हादसे में बच्चे की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। अब सूक्ष्म रूप से शादी समारोह का कार्यक्रम होगा। समद चार भाइयों में सबसे बड़ा था। इसके तीन भाई आतिफ, समर और सुभान हैं।

कंपनी निदेशक, दो बैंक मैनेजर समेत पांच पर धोखाधड़ी का केस

ग्रेटर नोएडा। फ्लैट खरीदार ने मैसर्स यूनिबेरा डेवलपर्स के निदेशक हेमंत, दो तत्कालीन बैंक मैनेजर और कर्मचारी आसिफ, अवनीश के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है। खरीदार का आरोप है कि उसे फ्लैट पर कब्जा नहीं दिया गया। बल्कि उसके कागजों पर 66 लाख रुपये का लोन निकलवाकर रकम हड़प ली गई। बिसरख कोतवाली पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर केस दर्ज कर जांच शुरू की है। मूलरूप से मथुरा के रहने वाले वेदपाल सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मैसर्स यूनिबेरा डेवलपर्स बिल्डर के प्रोजेक्ट में उन्होंने चार साल पहले दो फ्लैट बुक किए थे। उन्होंने पहले आठ लाख रुपए भुगतान किया था। इसके बाद निदेशक ने फ्लैट के लिए बैंक से लोन दिलाने का झांसा दिया। बिल्डर प्रबंधन ने धोखाधड़ी कर दो अलग-अलग बैंकों से लोन करा दिया। लेकिन तय समय पर फ्लैट पर कब्जा नहीं दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने लोन के 66 लाख रुपए अपने खाते में हस्तांतरित कराकर हड़प लिए गए। पीड़ित का आरोप है

हापुड़ में दो कारों की भीषण टक्कर, दर्दनाक हादसे में देवरानी-जेठानी की मौत, चार घायल

- हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

एनटीवी

हापुड़ में शनिवार की सुबह दो कारों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। दोनों महिलाएं आपस में देवरानी और जेठानी हैं। चार लोग घायल भी हुए हैं। इनमें दो लोगों की हालत गंभीर है। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में नेशनल हाईवे 9 पर भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, हापुड़ देहात थाना इलाके में ततारपुर बाईपास पर दो कारों की जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसमें कार में सवार दो महिलाओं की मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पतालों में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह गढ़मुक्तेश्वर की ओर से आ रही एक कार का टायर फट गया। इस कारण कार अनियंत्रित होकर सड़क के दूसरी ओर पहुंच गई। दूसरी तरफ से आ रही अन्य कार की उससे जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए। मौके पर पहुंचे लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। साथ ही घायलों को कारों से बाहर निकाला। दुर्घटना में पिलखुवा थाना इलाके के ग्राम बझैड़ा कलां निवासी सरोज (48) और रामकेकनी (50) को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया हैं। मृतक आपस में देवरानी जेठानी हैं। जबकि घायलों में जसवीर, अमित और नीरज हैं। दो घायलों को मेरठ रेफर किया गया है। थाना प्रभारी हापुड़ देहात सुमित तोमर ने बताया कि मृतक महिलाएं परिवार के साथ गंगा स्नान के लिए गढ़ जा रहे थे। फिलहाल किसी पक्ष की ओर से तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

व्यापारी के घर की कुंडी काटकर आठ लाख के गहने चोरी

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-1 की सुपरटेक एंक्लेव सोसाइटी में बृहस्पतिवार देर रात चोर कुंडी काटकर पन्नी व्यापारी के घर में घुस गए। अलमारी का ताला तोड़कर करीब आठ लाख रुपये के गहनों पर हाथ साफ किया। चोरों ने व्यापारी के घर की रसोई में रखे पिस्ता, बादाम खाते हुए आराम से वारदात को अंजाम दिया। वारदात के वक्त व्यापारी और परिवार के सदस्य घर में मौजूद नहीं थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। व्यापारी मोहम्मद युनूस ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बेटा ग्रेटर नोएडा की एक सोसाइटी में रहता है। घर का ताला लगाकर 21 नवंबर को पत्नी नसीमा बेगम के साथ बेटे के घर गए थे और वहीं पर रुके हुए थे। शुक्रवार सुबह पड़ोसी ने फोन कर घर की कुंडी कटी होने की जानकारी दी। जब घर पहुंचे तो कमरों में रखा सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। अलमारी, दराज और बेड से सारा सामान बाहर निकला हुआ था

आदित्य मॉल में छह स्पा सेंटरों के अंदर देह व्यापार का भंडाफोड़

- पुलिस को देखकर मैनेजर और मालिक भागने लगे। महिला पुलिसकर्मियों को अंदर भेजा गया तो वहां छोटे-छोटे कैबिन बनाकर देह व्यापार हो रहा था।

एनटीवी

इंदिरापुरम। कोतवाली पुलिस ने वैभव खंड के आदित्य मॉल में छह स्पा सेंटरों की आड़ में देह व्यापार कराने का भंडाफोड़ किया है। पुलिस टीम ने मौके से 65 लोगों को पकड़ा है। जांच में पता चला है कि मालिक और मैनेजर युवती व महिलाओं को डरा-धमकाकर उनसे जबरन देह व्यापार करा रहे थे। छापे की कार्रवाई में पुलिस को लैपटॉप, ऑनलाइन वॉलेट के बारकोड, रजिस्टर, फोन, नकदी व कुछ पर्चियां मिलीं। पूछताछ के बाद पुलिस ने चार पुरुषों और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। डीसीपी शुभम पटेल ने बताया कि आदित्य मॉल के अंदर जगह-जगह स्पा सेंटर के अंदर देह व्यापार चलने की खबर मिली थी। दो दिन पहले टीम को सिविल कपडों में भेजकर सटीक जानकारी ली गई। शुक्रवार को दोपहर से सेंटर में आने वाले लोगों पर नजर रखी गई। मौका मिलते ही पुलिस टीम के साथ रिनिशा स्पा सेंटर, सतवा स्पा सेंटर, पल्स एंड पेटल्स मसाज व स्पा सेंटर, पल्स एंड पेटल्स सेंटर, रिलीफ थैरेपी व कोकून स्पा सेंटर में छापे की कार्रवाई की गई। पुलिस को देखकर मैनेजर और मालिक भागने लगे। महिला पुलिसकर्मियों को अंदर भेजा गया तो वहां छोटे-छोटे कैबिन बनाकर देह व्यापार हो रहा था। टीम ने युवती व महिलाओं को दरवाजा खटखटाकर बाहर आने के लिए कहा। सभी स्पा सेंटरों पर टीम ने एक साथ कार्रवाई कर मालिक, मैनेजर और ग्राहकों समेत 65 लोगों को पकड़ लिया। इनमें 44 महिला व 21 पुरुष थे। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान लैपटॉप, ऑनलाइन वॉलेट के बारकोड, रजिस्टर, पर्चियां, नकदी व फोन कब्जे में लिए हैं। नौकरी के लिए पहुंचीं युवती-महिलाएं, संचालकों के जाल में फंसी एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि स्पा सेंटर में काम करने वाली युवतियां और महिलाएं दिल्ली, नोएडा, हापुड़ और अन्य जगह से नौकरी की तलाश में इंदिरापुरम पहुंची थी। शुरूआत में इन सभी को मसाज और ब्यूटी पार्लर का काम बताया गया, लेकिन संचालक और मैनेजरों ने साजिश रचकर उनकी अश्लील फोटो व वीडियो बना ली। इसके बाद उन्हें डरा-धमकाकर देह व्यापार करने के लिए मजबूर कर दिया। युवतियों ने कई बार रोते हुए नौकरी छोड़ने की बात कही थी, लेकिन मैनेजर और मालिकों ने मना कर दिया। जांच में सामने आया कि स्पा सेंटरों में देह व्यापार कई महीनों से चल रहा था।

जम्मू समेत अन्य केंद्रों के ध्यानार्थ : लद्दाख के पूर्व उपराज्यपाल के खाते से 2.28 लाख रुपये निकाले

एनटीवी

नोएडा। साइबर जालसाजों ने पूर्व रक्षा सचिव व लद्दाख के पूर्व उपराज्यपाल राधाकृष्ण माथुर के खाते में सेंध लगाकर 2.28 लाख रुपये निकाल लिए। फोन पर इंटरनेट बैकिंग से पैसे निकाले जाने का एसएमएस आने पर उन्हें इसकी जानकारी मिली। सेक्टर-126 कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-126 कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में जेपी विशटाउन के कालिस्पो कोर्ट टावर एक निवासी राधाकृष्ण माथुर ने कहा है कि दिल्ली के निर्माण भवन स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा में उनका खाता है। इसी खाते से वह नकदी संबंधित लेनदेन करते हैं। इसी 17 नवंबर को उनके खाते से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर 2.28 लाख रुपये निकाल लिए गए। फोन पर पैसे निकाले जाने के संदेश आने पर उन्होंने बैंक से शिकायत की। जहां से उन्हें ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर तीन बार में पैसे निकाले जाने की जानकारी दी गई। पहली बार में खाते से 1.34 लाख रुपये, उसके कुछ देर बार 33 हजार और तीसरी बार में 59800 रुपये निकाले गए।पूर्व उपराज्यपाल ने कहा कि जिस वक्त उनके अकाउंट से पैसे निकाले गए उस दौरान उन्होंने इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग नहीं किया। फिलहाल उन्होंने इंटरनेट बैंकिंग बंद करा दी है। साइबर थाना पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। एसीपी रजनीश वर्मा ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम बना दी गई है। जिस खाते में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है पुलिस उन खातों की जानकारी जुटा रही है। इस मामले में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की भी नजर है। जल्द ही मामले का पदार्फाश किया जाएगा।

नोएडा में 600 आपराधिक मामलों का कैमरे ने किया खुलासा, बदमाशों पर रखते हैं कड़ी नजर

एनटीवी

नोएडा प्राधिकरण ने शहर के विभिन्न चौराहों पर आधुनिक दृश्यता वाले सीसीटीवी कैमरे और पब्लिक एड्रेस (पीए) सिस्टम लगाए हैं। इनकी मदद से शहरवासियों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी देने के साथ यातायात व्यवस्था पर भी नजर रखी जाती है। वहीं इन्हीं कैमरों की मदद से आपराधिक वारदात के खुलासे में मदद मिल रही है।
सेफ सिटी परियोजना के तहत शहर के प्रमुख 82 स्थानों पर लगाए गए इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के एचडी कैमरे वाहन चालकों के साथ अपराधियों पर भी कड़ी नजर रख रहे हैं। चौराहों पर बीते साल मई और जून में लगाए गए कैमरों से मिले सीसीटीवी फुटेज से अब तक 600 से ज्यादा वारदात का खुलासा किया जा चुका है। परियोजना के तहत अब और बेहतर क्षमता और तकनीक वाले कैमरे लगाने की तैयारी की जा रही है, ताकि इनकी मदद से शहर में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिल सके। नोएडा प्राधिकरण ने शहर के विभिन्न चौराहों पर आधुनिक दृश्यता वाले सीसीटीवी कैमरे और पब्लिक एड्रेस (पीए) सिस्टम लगाए हैं। इनकी मदद से शहरवासियों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी देने के साथ यातायात व्यवस्था पर भी नजर रखी जाती है। वहीं इन्हीं कैमरों की मदद से आपराधिक वारदात के खुलासे में मदद मिल रही है। अधिकारियों ने बताया कि वारदात के बाद अपराधी जिस रास्ते से फरार होते हैं वहां चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों में उनकी तस्वीरें कैद हो जाती हैं। बाद में रूट और समय के आधार पर कैमरों के फुटेज खंगालकर अपराधियों को दबोच लिया जाता है। इन कैमरों की मदद से शहर में हत्या, लूट, स्नेचिंग आदि के 600 मामलों का खुलासा हो चुका है। क्यों अलग हैं आईटीएमएस परियोजना के कैमरे आईटीएमएस परियोजना के कैमरे चारों तरफ घूम सकते हैं। इसमें दूर व नजदीक (जूम इन और जूम आउट) दोनों तरह की तस्वीरें कैद करने की क्षमता है। जिससे बिना हेलमेट, बाइक पर तीन सवारी, नंबर प्लेट आदि को पहचान करने में मदद मिलती है। इसकी दृश्यता क्षमता और रेज्यूलेशन भी काफी अधिक होता है।
शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों से ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और वारदात को सुलझाने में भी मदद मिल रही है। इसमें और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर बातचीत चल रही है। इनकी मदद से करीब 600 वारदात का पदार्फाश किया जा चुका है। आरोपी महामाया फ्लाईओवर होकर चिल्ला बॉर्डर के रास्ते दिल्ली चले गए। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की गहनता से छानबीन की। कैमरे में दिख रहे जूते और जींस के रंग के आधार पर आरोपियों की तलाश की। अंततः पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई। केस 2 सिलेरियो कार सवार बदमाशों ने सेक्टर-37, बोटेनिकल गार्डन, सिटी सेंटर समेत अन्य स्थानों से कार में लिफ्ट देकर लूटपाट की वारदात की।

स्पा में जिस्मफरोशी का मंडी, केबिन में ऐसे हाल में मिले 65 युवक-युवतियां देख पुलिसकर्मी भी चौंके

- इनमें 44 महिला व 21 पुरुष थे। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान लैपटॉप, ऑनलाइन वॉलेट के बारकोड, रजिस्टर, पर्चियां, नकदी व फोन कब्जे में लिए हैं।

एनटीवी

गाजियाबाद के आदित्य मॉल में छह स्पा सेंटरों के अंदर देह व्यापार का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने 65 लोगों को पकड़ा है। छापे की कार्रवाई में पुलिस को लैपटॉप, ऑनलाइन वॉलेट के बारकोड, रजिस्टर, फोन, नकदी व कुछ पर्चियां मिलीं। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस ने वैभव खंड के आदित्य मॉल में छह स्पा सेंटरों की आड़ में देह व्यापार कराने का भंडाफोड़ किया है। पुलिस टीम ने मौके से 65 लोगों को पकड़ा है। जांच में पता चला है कि मालिक और मैनेजर युवती एवं महिलाओं को डरा-धमकाकर उनसे जबरन देह व्यापार करा रहे थे। छापे की कार्रवाई में पुलिस को लैपटॉप, ऑनलाइन वॉलेट के बारकोड, रजिस्टर, फोन, नकदी व कुछ पर्चियां मिलीं। पूछताछ के बाद पुलिस ने चार पुरुषों और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। डीसीपी शुभम पटेल ने बताया कि आदित्य मॉल के अंदर जगह-जगह स्पा सेंटर के अंदर देह व्यापार चलने की खबर मिली थी। दो दिन पहले टीम को सिविल कपडों में भेजकर सटीक जानकारी ली गई। शुक्रवार को दोपहर से सेंटर में आने वाले लोगों पर नजर रखी गई। मौका मिलते ही पुलिस टीम के साथ रिनिशा स्पा सेंटर, सतवा स्पा सेंटर, पल्स एंड पेटल्स मसाज व स्पा सेंटर, पल्स एंड पेटल्स सेंटर, रिलीफ थैरेपी व कोकून स्पा सेंटर में छापे की कार्रवाई की गई। पुलिस को देखकर मैनेजर और मालिक भागने लगे। महिला पुलिसकर्मियों को अंदर भेजा गया तो वहां छोटे-छोटे कैबिन बनाकर देह व्यापार हो रहा था। टीम ने युवती व महिलाओं को दरवाजा खटखटाकर बाहर आने के लिए कहा। सभी स्पा सेंटरों पर टीम ने एक साथ कार्रवाई कर मालिक, मैनेजर और ग्राहकों समेत 65 लोगों को पकड़ लिया। इनमें 44 महिला व 21 पुरुष थे। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान लैपटॉप, ऑनलाइन वॉलेट के बारकोड, रजिस्टर, पर्चियां, नकदी व फोन कब्जे में लिए हैं। नौकरी के लिए पहुंचीं युवती-महिलाएं, संचालकों के जाल में फंसीएसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि स्पा सेंटर में काम करने वाली युवतियां और महिलाएं दिल्ली, नोएडा, हापुड़ और अन्य जगह से नौकरी की तलाश में इंदिरापुरम पहुंची थी। शुरूआत में इन सभी को मसाज और ब्यूटी पार्लर का काम बताया गया, लेकिन संचालक और मैनेजरों ने साजिश रचकर उनकी अश्लील फोटो व वीडियो बना ली। इसके बाद उन्हें डरा-धमकाकर देह व्यापार करने के लिए मजबूर कर दिया। युवतियों ने कई बार रोते हुए नौकरी छोड़ने की बात कही थी, लेकिन मैनेजर और मालिकों ने मना कर दिया। जांच में सामने आया कि स्पा सेंटरों में देह व्यापार कई महीनों से चल रहा था। यह हैं स्पा सेंटरों के मालिक और मैनेजर रिनिशा स्पा सेंटर - मालिक- जितेंद्र कुमार , मैनेजर विष्णु सतवा स्पा सेंटर मालिक दीपक गौर, मैनेजर पवन शर्मा पल्स एंड पेटल्स मसाज पार्लर - मालिक ललित भाटी , मैनेजर हसीब पल्स एंड पेटल्स स्पा सेंटर- मालिक, महिला संचालिका रिलीफ थैरेपी - मालिक- महिला संचालिका कोकून स्पा सेंटर- मालिक ओमप्रकाश, मैनेजर अनुज अग्रवाल यह लोग हुए गिरफ्तारः मैनेजर विष्णु, पवन शर्मा, हसीब, पल्स एंड पेटल्स की महिला मालिक जबकि अनुज अग्रवाल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

ईवी क्षेत्र में कभी भी कंपनी-विशिष्ट प्रोत्साहन नहीं देंगे

एनटीवी

एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि भारत कभी भी इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में कंपनी या उद्यम-विशिष्ट इंसेंटिव प्रदान नहीं करेगा। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार निमार्ता टेस्ला द्वारा देश में अपना कारखाना स्थापित करने के लिए विशेष रियायतों के दबाव के बीच यह बयान सामने आया है।

अधिकारी ने कहा, अगर सरकार को इंसेंटिव देने पर विचार करना है तो यह सिर्फ उन सभी ईवी निमार्ताओं और प्रवेशकों के लिए होगा जो भारत आना चाहते हैं।

अधिकारी ने कहा कि अमेरिका स्थित इलेक्ट्रिक कार निमार्ता टेस्ला की कस्टम ड्यूटी (सीमा शुल्क) रियायत की मांग पर अंतर-मंत्रालयी चर्चा हुई है। लेकिन हम कभी उन पर किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे।

2021 में, अमेरिका स्थित इलेक्ट्रिक कार निमार्ता ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर आयात शुल्क में कटौती की मांग की थी।

इसने सरकार से सीमा शुल्क मूल्य की परवाह किए बिना इलेक्ट्रिक कारों पर टैरिफ को 40 प्रतिशत तक मानकीकृत करने का अनुरोध किया था।

इस समय, पूरी तरह से निर्मित इकाइयों (सीबीयू) के रूप में आयातित कारों पर इंजन साइज और लागत, बीमा और माल ढुलाई (सीआईएफ) मूल्य 40,000 अमेरिकी डॉलर से कम या अधिक के आधार पर 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक सीमा शुल्क लगता है।

अधिकारी ने कहा जब पूछा गया कि क्या सरकार टेस्ला के लिए विशिष्ट रियायतों पर विचार कर रही है, कभी नहीं। यह कभी भी कंपनी-विशिष्ट नहीं होगा। यह हमेशा सभी संस्थाओं, कंपनियों के लिए होगा। यदि कोई रियायतें दी जाती हैं, तो ये हमेशा सभी के लिए काफी कड़े प्रदर्शन मानदंडों से जुड़ी होंगी। यह कभी भी उद्यम-विशिष्ट जैसा कुछ नहीं होगा।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शुल्क रियायतों और कंपनी से संबंधित अन्य रिपोर्टें ज्यादातर अटकलों की प्रकृति में हैं।

अधिकारी ने कहा, उन्होंने कुछ रियायतें मांगी हैं लेकिन हम कभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे। उस पर कोई निष्कर्ष नहीं निकला है।

पिछले महीने, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में अमेरिका स्थित इलेक्ट्रिक वाहन प्रमुख टेस्ला के मैन्युफेक्चरिंग प्लांट का दौरा किया। और कहा कि कंपनी भारत से अपने ऑटो कंपोनेंट के आयात को दोगुना कर देगी।

दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक कार निमार्ता टेस्ला इंक के प्रमुख एलन मस्क ने जून में न्यूयॉर्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और मुलाकात के बाद मस्क ने कहा था कि उन्होंने 2024 में भारत आने की योजना बनाई है।

ऐसी खबरें हैं कि भारत देश में प्लांट स्थापित करने के लिए टेस्ला को सीमा शुल्क में रियायत देने पर विचार कर रहा है। सितंबर में, गोयल ने कहा कि कंपनी 2022 में 1 अरब अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इस साल भारत से लगभग 1.9 अरब अमेरिकी डॉलर के कंपोनेंट की खरीद पर विचार कर रही है।

आगे चलकर इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ेगी और इससे क्षेत्र की बढ़ोतरी को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इससे पहले, सरकार ने कहा था कि वह टेस्ला को इंसेंटिव देने के लिए एक अलग नीति तैयार करने पर विचार नहीं कर रही है। और कंपनी ऑटो और एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल के लिए पीएलआई जैसी मौजूदा योजनाओं के तहत समर्थन उपायों का लाभ उठाने के लिए आवेदन कर सकती है।

सरकार ने 18,100 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी स्टोरेज के लिए प्रॉडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाएं और ऑटो, ऑटो-कंपोनेंट्स और ड्रोन उद्योगों के लिए 26,058 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना शुरू की है। अगस्त 2021 में, मस्क ने कहा कि अगर टेस्ला पहली बार देश में आयातित वाहनों में सफल हुई, तो वह भारत में एक मैन्युफेक्चरिंग यूनिट लगा सकती है।

उन्होंने कहा था कि टेस्ला भारत में अपने वाहन लॉन्च करना चाहती है लेकिन आयात

शुल्क दुनिया में किसी भी बड़े देश की तुलना में सबसे ज्यादा हैं!।

इस समय, भारत 40,000 अमेरिकी डॉलर से ज्यादा सीआईएफ (लागत, बीमा और माल ढुलाई) मूल्य वाली पूरी तरह से आयातित कारों पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाता है और इससे कम लागत वाली कारों पर 70 प्रतिशत आयात शुल्क लगाता है।

कुछ घरेलू ईवी निमार्ता भी किसी भी तरह की कंपनी-विशिष्ट प्रोत्साहन देने के खिलाफ हैं।

अपनी कार का माइलेज कैसे बढ़ाएं, फ्यूल एफिशिएंसी के लिए इन जरूरी टिप्स को अपनाएं

एनटीवी

ईंधन खर्च को कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता में अपना योगदान देने के लिए वाहन मालिकों के लिए अधिकतम फ्यूल एफिशिएंसी (ईंधन दक्षता) बनाए रखना सबसे पहली जरूरत है। अपनी कार का माइलेज बढ़ाने के लिए, आपको ड्राइविंग की बेहतर आदतों और रेगुलर मेंटेनेंस के कंबिनेशन की जरूरत है। यहां हम आपको कुछ अहम टिप्स बता रहे हैं जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि आपको अपनी कार से ज्यादा से ज्यादा माइलेज कैसे हासिल हो सके।

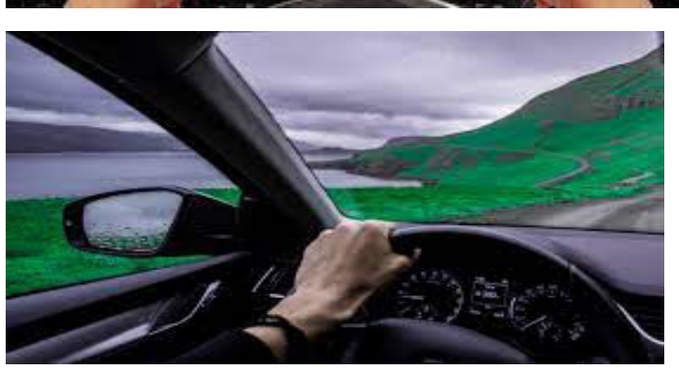

रेगुलर मेंटनेंस

रेगुलर ऑयल चेंज, एयर फिल्टर बदलना और टायर एलाइनमेंट को शामिल करके नियमित तौर पर अपनी कार की सर्विस कराएं। एक अच्छी तरह से मेंटेन किया गया वाहन ज्यादा कुशलता से चलता है, जिससे फ्यूल एफिशिएंसी बेहतर होती है।

उचित टायर रखरखाव

अपने टायरों को ठीक से फुला कर रखें क्योंकि कम हवा वाले टायर ईंधन दक्षता को कम कर सकते हैं। टायर के प्रेशर की रेगुलर जांच करें और इसे बताए गए लेवल पर बनाए रखें। साथ ही, सुनिश्चित करें कि बेहतर ड्राइविंग के लिए आपके टायर एलाइन और संतुलित हों।

बोझ को हल्का करें अपनी कार से गैर-जरूरी चीजों को हटा दें। खासतौर पर भारी चीजों को, क्योंकि ज्यादा वजन ईंधन दक्षता पर नकारात्मक असर डाल सकता है। हल्के वाहन को चलने के लिए कम पावर की जरूरत होती है। जिसकी वजह से माइलेज में सुधार होता है।

ड्राइविंग की बेहतर आदतें

वाहन को धीरे-धीरे एक्सीलरेट करने और धीरे-धीरे स्पीड कम करने जैसी ड्राइविंग आदतों को अपनाएं। आक्रामक ड्राइविंग, अचानक रुकने और तेजी से शुरुआत करने से बचें। क्योंकि ये आदतें फ्यूल एफिशिएंसी को काफी कम कर सकती हैं।

मध्यम रफ्तार

मध्यम स्पीड से गाड़ी चलाने से ईंधन दक्षता को अनुकूलित करने में मदद मिलती है।

हाईवे पर वाहन रफ्तार को एक जैसा बनाए रखें और गैर-जरूरी स्पीड से बचें। जिससे एयर रेसिस्टेंस (वायु प्रतिरोध) बढ़ सकता है और गाड़ी की माइलेज कम हो सकती है।

बेहतर रूट प्लान करें

अनावश्यक मोड़ों को कम करने और यात्रा के समय को कम करने के लिए अपनी यात्रा के रूट को समझदारी से प्लान करें।

ट्रैफिक से बचने के लिए नेविगेशन एप का इस्तेमाल करें और कम ट्रैफिक फ्लो वाले रास्ते चुनें, जिससे फ्यूल एफिशिएंसी में सुधार होगा। इसके अलावा, वाहन को आइडिल समय को कम से कम करें।

क्योंकि आइडिल होने पर कोई दूरी तय किए बिना ईंधन की खपत होती है। ईंधन बचाने के लिए लंबे समय तक पार्क करने पर इंजन बंद कर दें।

घरेलू बाजार में Bajaj Auto ने हासिल की 31 फीसद बढोतरी, एक्सपोर्ट में 6 परसेंट की गिरावट दर्ज

एनटीवी

नई दिल्ली। बजाज ऑटो ने आज सेल्स रिपोर्ट जारी की है, जहां कंपनी ने दावा किया है कि उन्होंने सालाना आधार पर 31 फीसद की ग्रोथ दर्ज की है। आइये जानते हैं नवंबर महीने में बजाज ऑटो ने कितनी बेची गाड़ियां। बजाज ऑटो नंवबर सेल्स रिपोर्ट

बजाज ऑटो ने शुक्रवार को नवंबर में अपनी कुल वाहन बिक्री में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 31 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,03,003 इकाई की वृद्धि दर्ज की। कंपनी ने के अनुसार बजाज ने नवंबर 2022 में कुल 3,06,719 वाहन बेचे थे। पिछले महीने कुल घरेलू बिक्री (दोपहिया और वाणिज्यिक वाहन) 69 प्रतिशत बढ़कर 2,57,744 इकाई हो गई, जबकि नवंबर 2022 में यह 1,52,883 69 इकाई थी।

एक्सपोर्ट में 6 फीसद की गिरावट दर्ज

बजाज ऑटो का घरेलू मार्केट में दबदबा तो बरकरार है लेकिन कंपनी ने एक्सपोर्ट के मामले में उतना बेहतर प्रदर्शन नहीं किया है। सालाना आधार पर बजाज ऑटो का निर्यात 6 प्रतिशत घटकर 1,45,259 रह गया, जबकि पिछले साल के इसी महीने में विदेशी बाजारों में 1,53,836 वाहन भेजे गए थे।

टू-व्हीलर सेल्स रिपोर्ट

दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री 2,18,597 इकाई रही, जो नवंबर 2022 में बेची गई 1,23,657 इकाइयों की तुलना में 77 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करती है, जबकि निर्यात पिछले महीने में साल-दर-साल 6 प्रतिशत गिरकर 1,30,451 इकाई रह गया। नवंबर 2023 के दौरान कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 3,49,048 इकाई दर्ज की गई, जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है।

कॉमर्शियल व्हीकल सेल्स रिपोर्ट

बयान के अनुसार, नवंबर 2023 में कुल वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 53,955 इकाई थी।

मारुति ने पिछले महीने भी की जबरदस्त सेल, कंपनी की बिक्री में हुआ इतना इजाफा

एनटीवी

वाहन निमार्ता कंपनी ने बताया कि नवंबर 2023 में कुल ब्रिकी 3.39 प्रतिशत बढ़कर 164439 यूनिट्स की हो गई है। जबकि पिछले साल इसी महीने में इसकी कुल 159044 यूनिट्स की सेल की थी। इसी तरह बलेनो सेलेरियो डिजायर इग्निस स्विफ्ट दूर एस और वैगनआर जैसे मॉडलों सहित कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री नवंबर 2023 में 64679 यूनिट्स की तुलना में कम रही मारुति ने पिछले महीने भी की जबरदस्त सेल, कंपनी की बिक्री में हुआ इतना इजाफा

नवंबर 2023 में कुल ब्रिकी 3.39 प्रतिशत बढ़कर 1,64,439 यूनिट्स की हो गई

ऑटो डेस्क,नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सबसे अधिक गाड़ियों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। वाहन निमार्ता कंपनी ने बताया कि नवंबर 2023 में कुल ब्रिकी 3.39 प्रतिशत बढ़कर 1,64,439 यूनिट्स की हो गई है। जबकि पिछले साल इसी महीने में इसकी कुल 1,59,044 यूनिट्स की सेल की थी।

मारुति सुजुकी इंडिया

मारुति सुजुकी इंडिया ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि यात्री वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और तीसरे पक्ष की आपूर्ति सहित कुल घरेलू ब्रिकी पिछले महीने 1,41,489 यूनिट्स की सेल की है, जो कि एक साल पहले की अवधि में 1,39,306 यूनिट्स की थी जो 1.57 प्रतिशत अधिक है।

घरेलू यात्री वाहन

कुल घरेलू यात्री वाहन की ब्रिकी पिछले महीने 1,34,158 यूनिट्स की रही है, जिसमें कुल 1.33 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित एंट्री-लेवल मिनी कारों की बिक्री पिछले साल के इसी महीने में 18,251 यूनिट्स की तुलना में कम होकर 9,959 यूनिट्स की रही। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट इसी तरह, बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, दूर एस और वैगनआर जैसे मॉडलों सहित कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री नवंबर 2023 में 64,679 यूनिट्स की तुलना में कम रही, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 72,844 यूनिट्स की थी।

दूसरी ओर, ब्रेजा, अर्टिगा, फ्रोंक्स, ग्रैंड विटारा, इनविक्टो, जिम्नी, एस-क्रॉस और एक्सएल 6 सहित उपयोगिता वाहन की बिक्री पिछले महीने 49,016 यूनिट्स से अधिक थी, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 32,563 यूनिट्स की थी। सेडान सियाज वहीं मध्यम आकार की सेडान सियाज की ब्रिकी नवंबर 2022 में 1,554 यूनिट्स की तुलना में पिछले महीने सिर्फ 278 यूनिट्स की हुई है।

त्योहारी मांग से बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर, नवंबर में 3.35 लाख यात्री वाहन बिके

एनटीवी

मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी शशांक श्रीवास्तव ने कहा, एसयूवी की मांग में लगातार तेजी बनी हुई है। नवंबर में कुल बिक्री में एसयूवी की हिस्सेदारी 50 फीसदी से भी अधिक रही। त्योहारों में वाहनों की बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए विनिमार्ताओं के उत्पादन एवं आपूर्ति बढ़ाने से नवंबर में यात्री वाहनों की बिक्री अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कुल 3.35 लाख यात्री वाहन बिके। यह नवंबर, 2022 के 3.22 लाख वाहनों के मुकाबले 3.9 फीसदी अधिक है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी शशांक श्रीवास्तव ने कहा, एसयूवी की मांग में लगातार तेजी बनी हुई है। नवंबर में कुल बिक्री में एसयूवी की हिस्सेदारी 50 फीसदी से भी अधिक रही। वाहन उद्योग को चालू वित्त वर्ष में 41 लाख से अधिक इकाइयों की बिक्री की उम्मीद है।

मारुति की छोटी कारों की मांग 45 फीसदी घटी, सिर्फ 278 सियाज बिकीं : मारुति के वाहनों की कुल बिक्री 3.39 फीसदी बढ़कर 1,64,439 इकाई पहुंच गई। हालांकि, कंपनी की छोटी कारों की बिक्री 45.43 फीसदी घटकर 9,959 इकाई रह गई। सियाज की पिछले माह सिर्फ 278 इकाई ही बिक सकी। ह्यूंडई के वाहनों की कुल बिक्री 3 फीसदी बढ़कर 65,801 इकाई पहुंच गई। टाटा मोटर्स की कुल बिक्री 1.73 फीसदी घटकर 74,172 इकाई रही। हालांकि, ई-यात्री वाहनों की बिक्री 7% बढ़ गई।

दोपहिया में भी उछाल

बजाज ऑटो की दोपहिया वाहनों की बिक्री 31 फीसदी बढ़कर 4,03,003 इकाई पहुंच गई। टीवीएस मोटर की बिक्री में भी 31 फीसदी और होंडा मोटरसाइकिल में 20 फीसदी तेजी रही। वाणिज्यिक वाहन अशोक लीलैंड के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 3 फीसदी बढ़कर 14,053 इकाई पहुंच गई। वीई कमर्शियल व्हीकल्स ने कुल 5,194 वाहन बेचे, जो 5.9 फीसदी अधिक है।

सभी दोपहिया ईवी के लिए होगा अब एक ही चार्जर

आने वाले समय में दोपहिया ईवी के लिए एक ही चार्जर का उपयोग किया जा सकता है। ईवी कंपनियां मिलकर काम कर रही हैं। इस पर एक समिति बनाई जाएगी। इसके बाद इस पर अंतिम फैसला होगा। जिस तरह अभी कुछ मोबाइल फोन के लिए एक ही चार्जर काम कर रहा है, उसी तरह से इस व्यवस्था को लाया जाएगा। अभी तक दोपहिया ईवी को चार्ज करने के लिए कंपनियों का अलग-अलग चार्जर होता है। इससे ग्राहकों को काफी परेशानी होती है। एथर एनर्जी के मुख्य बिजनेस अधिकारी रवनीत फोकेला कहते हैं कि जब एक चार्जर हो जाएगा तो ग्राहक कहीं भी किसी भी कंपनी के चार्जर से वाहन को चार्ज कर सकते हैं। इससे ई-कचरे को कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे ग्राहकों के पैसों की भी बचत होगी।

अप्रैल-अक्तूबर में बिके 4.72 लाख से ज्यादा वाहन

फोकेला ने कहा, अप्रैल से अक्तूबर तक 4.72 लाख ईवी बिके हैं। कंपनियां अब तमाम नए फीचर्स ला रही हैं। इससे महंगे वाले मॉडल की ज्यादा मांग है। कुल बिक्री में 70 फीसदी हिस्सा महंगे स्कूटरों का है। ईवी उद्योग में शीर्ष चार कंपनियों बजाज, ओला, एथर और टीवीएस के पास 80 फीसदी बाजार हिस्सेदारी है।

मायावती का विरोधी चेहरा

इसीलिए उनकी पार्टी एक तरफ तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते जैसे विवादित नारे के पीछे खड़ी रहती है तो दूसरी ओर सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भी बात करती है। साथ ही सोशल इंजीनियरिंग को भी वह अपना चुनावी हथियार बनाती हैं। इसके इतर बसपा की अधिकृत वेबसाइट 'बीएसपी इंडिया डॉट इनपार्टी की सनातन विरोधी तस्वीर दिखाती है। इस वेबसाइट में पार्टी के आंदोलन, उपलब्धियों, संगठनामक संरचना आदि की जानकारी के साथ ही हमारे आदर्श नाम से एक कॉलम है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में धर्म का तड़का कोई नई बात नहीं है। धर्म के नाम पर कांग्रेस, सपा, बसपा जैसी पार्टियां मुस्लिम तुष्टिकरण की सियासत करती हैं तो भारतीय जनता पार्टी धर्म के नाम पर हिन्दू वोटरों को एकजुट करने की कोशिश में लगी रहती है। बीएसपी के संस्थापक कांशीराम को तो मानो चुनावी नारे गढ़ने में महारथ हासिल थी। उन्होंने बसपा के साथ पिछड़ों और दलितों को लाने के लिए नारा दिया था ह्यठाकुर बामन बनिया छोड़, बाकी सब हैं डीएस-फोर'। देखा जाये तो एक तरफ नारों से वोटरों को अपनी तरफ खींचा जाता है। वोटरों को लुभाने के लिए हमारे नेता विवादित भाषा बोलने से भी परहेज नहीं करते हैं। तमिलनाडु सरकार में मंत्री डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे, बिहार सरकार के मंत्री चंद्रशेखर और उत्तर प्रदेश के समाजवादी पार्टी के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य की सनातन धर्म के विरुद्ध मुखरता सबने सुनी है। इसी तरह बसपा का भी मौन मिशन सनातन धर्म के खिलाफ लगातार चल रहा है। पार्टी की अधिकृत वेबसाइट पर ह्यसच्ची रामायण की चाभी नाम से वह पुस्तक अपलोड है, जिसमें भगवान विष्णु, श्रीराम, माता सीता आदि पर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। वैसे यह बात किसी से छिपी नहीं है कि बसपा सुप्रीमो मायवती हमेशा दलितों के पक्ष में उत्तर प्रदेश सहित मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और उत्तराखंड आदि राज्यों में खुलकर जातिवादी राजनीति करती हैं। बेशक उनकी ताकत यह वोटबैंक है, लेकिन उन्हें अब तक यूपी की सत्ता तभी मिली है, जब सवर्णों ने उनका साथ दिया। मायावती इसे जानती हैं, इसीलिए उनकी पार्टी एक तरफ ह्यतिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते जैसे विवादित नारे के पीछे खड़ी रहती है तो दूसरी ओर सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्न की भी बात करती है। साथ ही सोशल इंजीनियरिंग को भी वह अपना चुनावी हथियार बनाती हैं। इसके इतर बसपा की अधिकृत वेबसाइट 'बीएसपी इंडिया डॉट इनह्न पार्टी की सनातन विरोधी तस्वीर दिखाती है। इस वेबसाइट में पार्टी के आंदोलन, उपलब्धियों, संगठनामक संरचना आदि की जानकारी के साथ ही हमारे आदर्श नाम से एक कॉलम है। इसमें संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर और बसपा संस्थापक कांशीराम के साथ ही पेरियार ललई सिंह यादव का नाम और जीवनी लिखी है। यहां ललई सिंह की उपलब्धियों के तौर पर लिखा है गया है कि है सच्ची रामायण कैसे जीती कानूनी लड़ाई। इसमें लिखा है कि द्रविड़ आंदोलन के अग्रणी सामाजिक क्रांतिकारी पेरियार ईवी रामासामी नायकर की किताब सच्ची रामायण को पहली बार हिंदी में लाने का श्रेय ललई सिंह यादव को जाता है। इस लिंक को खोलते ही सामने आता है कि बसपा की वेबसाइट से किस तरह सनातन धर्म के विरुद्ध विषवमन किया जा रहा है। इसमें एक तो रामायण को कल्पना बताया गया है दूसरे रामायण की व्याख्या करते हुए भगवान विष्णु, श्रीराम, माता सीता, राजा दशरथ, राजा जनक सहित कई पात्रों के लिए बहुत ही घृणित शब्दों का प्रयोग किया गया है। खैर, सच्चाई यह भी है कि बसपा को उसकी जातिवादी राजनीति के कारण ही वोटरों ने हाशिये पर डाल दिया है। इतना ही दलितों में भी जाटवों के अलावा अन्य वर्गों ने बसपा से मुंह फेर लिया है। इसी का नतीजा यह है कि भारतीय जनता पार्टी के सांसदों और विधायकों में बड़ी संख्या दलित नेताओं की भी है। बसपा ने अपनी छिछोरी राजनीति को नहीं छोड़ा तो अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में भी बसपा की हालत पतली हो सकती है।

सम्मेलनाय नमः

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कहते हैं अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। जब समूह में फोड़ने की सोचते हैं तो उसी समूह को सम्मेलन का नाम दे दिया जाता है। जी हाँ सम्मेलन! भीड़ में साँप नहीं मरता और सम्मेलन में समस्या का समाधान नहीं होता। साँप मर जाए तो लाठियों का और समाधान हो जाए इन सम्मेलनों का कोई औचित्य नहीं रह जाता। एक डंसने के लिए और दूसरा समय-पैसे की खपत के लिए होना जरूरी है। इसीलिए दुनिया में इतनी लाठियों और बुद्धिजीवियों के होने के बावजूद दोनों का अस्तित्व जस का तस और अक्षुण्ण है। वास्तव में सम्मेलन उन लोगों का समूह होता है जो अकेले तो कुछ नहीं कर सकते, लेकिन समूह बनने पर तीसमार खाँ बनने का दावा ठोंकते हैं। यहाँ कुछ हासिल करने से ज्यादा समय-पैसे खर्च करने के बढ़िया बहाने खोजे जाते हैं। इनके निरंतर चलने से बिस्कुट जैसे नरम और चाय जैसे गरम लोगों का मेल-मिलाप होता है, जो कि ऐसे संदर्भों में एक-दूसरे के पूरक का काम करते हैं। देखा जाए तो हमारे सम्मेलनों में पूरी तरह से लोकतांत्रिक पद्धति का पालन किया जाता है। यहाँ प्रतिभाओं से अधिक संविधान का और संविधान से अधिक उसका अपने हिसाब से इस्तेमाल करने वालों का आदर-सत्कार किया जाता है। यही कारण है कि हमारे यहाँ सम्मेलनों की पूंछ हनुमान जी की पूंछ से भी लंबी होती है। सम्मेलन की क्षमता सुनने-देखने से ज्यादा करने में होती है। उदाहरण के लिए हमारा देश पिछड़ा हुआ है, ऐसा कहेंगे तो देशभक्तों को गुस्सा आ जाएगा। हो सकता है कि बदले में कोई हमें पाकिस्तान भी जाने के लिए कह दे। इसीलिए हमने इन्हीं सम्मेलनों के चलते बीच का रास्ता अपनाया है। देश को विकासशील जैसी सुंदर संज्ञा देकर बाहर से शेरवानी और अंदर से परेशानी वाली जैसी छवि का निर्माण किया है। ऐसा करने से कानों को सुकून मिलता है और चेहरे पर बनावटी मुस्कान बनी रहती है। उदाहरण के लिए जब विपक्ष फलानी चीज की खरीद-फरोख्त में भ्रष्टाचार का आरोप लगाता है तब जनता का ध्यान भटकाने के लिए सरकार फलाने पर गोलीबारी करवा देती है। पेट्रोल-डीजल की कीमत के बारे में ज्यादा बहस न हो इसके लिए टमाटर-प्याज की कीमत बढ़ा देती है। सच्चे अर्थों में सम्मेलनों में के बदले और के बदले अ सुनाने की तरकीबें खोजी जाती हैं।

भोपाल गैस त्रासदी के 39 बरस

लेखक : योगेश कुमार गोयल

इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 39 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं।

मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में 1984 में हुई भयानक गैस त्रासदी की घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस ह्यमिथाइल आइसोसाइनाइटह्न ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। भोपाल गैस कांड को 39 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया और उनका अंतिम संस्कार किया गया जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 39 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे। हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां ह्यमिथाइल आइसोसाइनाइटह्न (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। 3 दिसम्बर 1984 को इसी कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का रिसाव हुआ था। गैस के रिसाव के उपरांत गैस के बादल में फोस्जीन, हाइड्रोजन सायनाइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड, हाइड्रोजन क्लोराइड इत्यादि के अवशेष भी पाए गए थे। जिन लोगों के फैंफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? गैस के कारण लोगों की आंखों और सांस लेने में परेशानी हो रही थी, सिर चकरा रहा था, बहुतों को कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। हजारों लोगों के एकाएक अस्पतालों में पहुंचने से डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि जहरीली गैस से पीड़ित इतने सारे लोगों का किस प्रकार और क्या इलाज किया जाए क्योंकि उनके पास भी मिक गैस से पीड़ित लोगों के इलाज का कोई अनुभव नहीं था। वे इस रासायनिक आपदा के उपचार के लिए पूर्ण रूप से तैयार नहीं थे। भले ही गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यह है कि इस गैस त्रासदी के 39 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है। हादसे से पर्यावरण को भी ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का इस पूरे मामले में रूख संवेदनहीन ही रहा है। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। विभिन्न रिपोर्टों में बताया जाता रहा कि यूनियन कार्बाइड संयंत्र के आसपास की 32 बस्तियों का भूजल प्रदूषित है और यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही रही कि गैस पीड़ित वर्ष 2014 तक इसी प्रदूषित भूजल को पीते रहे। हालांकि वर्ष 2014 में इन क्षेत्रों में पानी की पाइपलाइन डाली गई लेकिन तब तक जहरीले रसायन लोगों के शरीर में गहराई तक घुल चुके थे।

हमारे रिश्तों के दुश्मन बनते मोबाइल फोन

लेखिका : प्रियंका सौरभ

किसी को नीचा दिखाना आजकल की एक बड़ी समस्या बन गया है। सोचिए आज क्यों मोबाइल बन रहे रिश्तों में दरार की वजह? कोई माने या न माने, वास्तविकता में मोबाइल के हद से ज्यादा उपयोग से सामाजिक रिश्तों में हम सब की दिक्कतें बढ़ी हैं। पहले के दौर में जब मोबाइल नहीं था, तो लोगों का आपस में काफी मिलना-जुलना होता था। संवाद का सिलसिला चलता रहता था। लोग एक-दूसरे के दर्द और भावना को समझते थे। साथ ही समस्याओं के निपटारे के लिए प्रयास करते थे।

सोचिए आज क्यों मोबाइल बन रहे रिश्तों में दरार की वजह? कोई माने या न माने, वास्तविकता में मोबाइल के हद से ज्यादा उपयोग से सामाजिक रिश्तों में हम सब की दिक्कतें बढ़ी हैं। आज के समय में एक ही घर में रह रहे लोग एक-दूसरे से बातचीत करने के लिए भी स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने लग गए हैं। यही नहीं रोजाना एक साथ बैठकर होने वाली बातचीत और सोशल मीडिया ग्रुप्स पर होने लग गयी है। ऐसे में इन आदतों का सीधा असर आपके रिश्तों पर पड़ रहा है।स्मार्टफोन के इस्तेमाल से दूसरों की भावनाओं को समझना और भी मुश्किल हो जाता है। जब किसी का पूरा ध्यान स्मार्टफोन पर हो तो उसके चेहरे को पढ़ना मुश्किल है। इसका मतलब है कि इस प्रकार की स्थितियाँ आमने-सामने की बातचीत से कमजोर होती हैं। सार्थक बातचीत के बिना रिश्ते उतने विकसित नहीं होते। मोबाइल फोन के अनुचित उपयोग के कारण आपसी रिश्तों को नुकसान पहुंचाने वाली जो नई आदतें बन रही हैं। बतौर समाज हम इस उपकरण की उपयोगिता को समझें और समय और रिश्तों की कीमत पर उसके व्यर्थ इस्तेमाल से बचें ताकि हम अनजाने में हमारे हाथ से फिसलती खुशियों को थाम सकें। फोन लोगों को आपस में जोड़े रखते हैं और संबंध बनाए रखने में मदद करते हैं। लेकिन कुछ मामलों में वे अवरोध भी बन जाते हैं। किसी के सामने उसके फोन की तारीफ करना और किसी को नीचा दिखाना आजकल की एक बड़ी समस्या बन गया है। सोचिए आज क्यों मोबाइल बन रहे रिश्तों में दरार की वजह? कोई माने या न माने, वास्तविकता में मोबाइल के हद से ज्यादा उपयोग से सामाजिक रिश्तों में हम सब की दिक्कतें बढ़ी हैं। पहले के दौर में जब मोबाइल नहीं था, तो लोगों का आपस में काफी मिलना-जुलना होता था। संवाद का सिलसिला चलता रहता था। लोग एक-दूसरे के दर्द और भावना को समझते थे। साथ ही समस्याओं के निपटारे के लिए प्रयास करते थे। अब मोबाइल के आगमन के बाद बातें तो काफी हो रही हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरियां काफी बढ़ गई हैं। लोगों के बीच उचित संवाद नहीं हो पा रहा है। व्यक्तिगत समस्याओं का जाल बढ़ रहा है और रिश्तों की बुनियाद कमजोर पड़ती जा रही है। आज के समय में एक ही घर में रह रहे लोग एक-दूसरे से बातचीत करने के लिए भी स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने लग गए हैं। यही नहीं रोजाना एक साथ बैठकर होने वाली बातचीत और सोशल मीडिया ग्रुप्स पर होने लग गयी है। ऐसे में इन आदतों का सीधा असर आपके रिश्तों पर पड़ रहा है। मोबाइल फोन के अनुचित उपयोग के कारण आपसी रिश्तों को नुकसान पहुंचाने वाली जो नई आदतें बन रही हैं, उनमें फबिंग भी शामिल है। स्मार्ट फोन पर चिपके रहने के कारण जब आप अपने करीबी रिश्ते को इग्नोर करते हैं, तो उसे फबिंग कहा जाता है। फबिंग एक ऐसा शब्द है जो स्मार्टफोन की लत से जुड़ा है। यह शब्द फोन और स्नबिंग से मिलकर बना है। स्नबिंग का मतलब होता है अनादर करना या फिर अनदेखी करना। स्मार्टफोन के इस्तेमाल से दूसरों की भावनाओं को समझना और भी मुश्किल हो जाता है । जब किसी का पूरा ध्यान स्मार्टफोन पर हो तो उसके चेहरे को पढ़ना मुश्किल है। इसका मतलब है कि इस प्रकार की स्थितियाँ आमने-सामने की बातचीत से कमजोर होती हैं। सार्थक बातचीत के बिना रिश्ते उतने विकसित नहीं होते। आज के दौर में मोबाइल से बढ़ता लगाव पारिवारिक रिश्तों में दरार पैदा कर रहा है। पति-पत्नी के रिश्तों में मोबाइल प्यार नही बल्कि कलह पैदा करने लगा है। महिला आयोग के अनुसार पारिवारिक कलह के करीब 75 परसेंट केसेज का कारण मोबाइल रहा है। मोबाइल के कारण पति-पत्नी के बीच गलतफहमी, मनमुटाव, लड़ाई-झगड़ा हुआ और मामला तलाक तक जा पहुंचता है। टेक्नोलॉजी हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। लेकिन इसका लगातार इस्तेमाल ना सिर्फ आपकी मेंटल हेल्थ को बिगाड़ रहा है, बल्कि आपके पार्टनर और रिश्तेदारों को भी आप से दूर कर रहा है। आज के युग डिजिटल युग में टेक्नोलॉजी हमारी रोजमर्रा की लाइफ का एक अहम हिस्सा बन चुका है। यहां तक कि हम हमारे स्मार्टफोन से लेकर सोशल मीडिया और वीडियो कॉल तक अपने करीबियों से जुड़े रहने पर काफी भरोसा करने लगे हैं। एडवांस टेक्नोलॉजी ने हमारे करीबियों के साथ जुड़ना पहले से कहीं ज्यादा आसान बना दिया है। मोबाइल फोन के आने से जहां जिंदगी आसान हुई है वहीं कुछ मामलों में इसने नुकसान पहुंचाने का भी काम किया है।

दृष्टिकोण युवाओं को नए कौशल से लैस करना

लेखक :विजय गर्ग

जहां शिक्षा और संसाधनों तक पहुंच सीमित हो सकती है। यह स्पष्ट असमानता हमारे युवाओं को ऐसे कौशल प्रदान करने की तात्कालिकता को रेखांकित करती है जो न केवल प्रासंगिक हैं बल्कि अनुकूलनीय, सीमाओं को पार करने वाले और सशक्त बनाने वाले भी हैं। आइए भारत पर विचार करें, सूचना और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विशाल प्रतिभा वाला देश। भारत में वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े भूमिका से आगे बढ़ते हुए

युवाओं को कुशल बनाने के लिए परिवर्तनकारी दृष्टिकोण अपनाकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे न केवल आगे बढ़ें बल्कि हमें अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर भी ले जाएं। तेजी से विकास और निरंतर परिवर्तन से चिह्नित दुनिया में, हमारे युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने के महत्व को पहचानना अनिवार्य है। जैसा कि संयुक्त राष्ट्र ने रेखांकित किया है, 10 से 24 वर्ष की आयु के 1.8 बिलियन से अधिक व्यक्तियों के साथ, इस जनसांख्यिकीय की प्रगति और परिवर्तन को आगे बढ़ाने की क्षमता बहुत अधिक है। लेकिन लगातार उतार-चढ़ाव वाले नौकरी बाजार में उनके सामने आने वाली चुनौतियों को स्वीकार करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आंकड़े खुलासा कर रहे हैं: शिक्षा आयोग और यूनिसेफ के अनुमान के अनुसार, 92 देशों में, 15-24 आयु वर्ग के लगभग चार में से तीन युवाओं के पास रोजगार के लिए आवश्यक उभरते कौशल की कमी है। यह चुनौती विशेष रूप से विकासशील देशों में स्पष्ट है जहां शिक्षा और संसाधनों तक पहुंच सीमित हो सकती है। यह स्पष्ट असमानता हमारे युवाओं को ऐसे कौशल प्रदान करने की तात्कालिकता को रेखांकित करती है जो न केवल प्रासंगिक हैं बल्कि अनुकूलनीय, सीमाओं को पार करने वाले और सशक्त बनाने वाले भी हैं। आइए भारत पर विचार करें, सूचना और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विशाल प्रतिभा वाला देश। भारत में वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े आईटी निर्यातकों में से एक के रूप में अपनी भूमिका से आगे बढ़ते हुए, प्रौद्योगिकी और नवाचार का केंद्र बनने की क्षमता है। हालाँकि, केवल नए कौशल प्राप्त करने से लेकर सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने की क्षमता वाले सर्वांगीण व्यक्तियों का निर्माण करना अत्यावश्यक है। चेंजमेकर्स मानसिकताः 21वीं सदी की चुनौतियों और अवसरों के लिए अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए उद्यमशीलता की सोच और समस्या समाधान का लाभ उठाते हुए चेंजमेकर्स मानसिकता को बढ़ावा देना आवश्यक है। वैश्विक नेतृत्व कार्यक्रम और पहल युवा छात्रों में इस मानसिकता को विकसित करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करते हैं। उन्हें एक ऐसे पाठ्यक्रम में शामिल करके जो कुछ वास्तविक जीवन की चुनौतियों के आसपास नवाचार और उद्यमशीलता की सोच पर जोर देता है, हम छात्रों को चौथी औद्योगिक क्रांति में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के साथ जुड़े कार्यक्रम छात्रों को उद्देश्य और जिम्मेदारी की भावना प्रदान करते हैं, और अधिक टिकाऊ और सामाजिक रूप से जागरूक भविष्य बनाने में परिवर्तन के महत्व को सुदृढ़ करते हैं। डिजिटल कौशल का पोषणः परिवर्तनकारी शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण उपकरण है। यह छात्रों को दुनिया भर के ज्ञान और विशेषज्ञों से जोड़ता है, जिससे नवीन समस्या-समाधान संभव होता है। नौकरी की तैयारी से परे, यह युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), संवर्धित वास्तविकता (एआर), और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) जैसे उन्नत उपकरणों का उपयोग करके महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के लिए सशक्त बनाता है। ।छात्र अनुभवात्मक अवसरों के माध्यम से ज्ञान और कौशल प्राप्त करते हैं, जैसे कि पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक न्याय और सामुदायिक भागीदारी पर केंद्रित परियोजनाओं में संलग्न होना। युवाओं को सशक्त बनानाः युवाओं को अपनी शिक्षा को आकार देने में शामिल करना महत्वपूर्ण है। सख्त, ऊपर से नीचे का दृष्टिकोण लागू करने के बजाय, अधिक लचीला, नीचे से ऊपर का तरीका वांछनीय है। इसका मतलब है

दिवाली की छुट्टी ने डीजल की बिक्री पर डाला असर, नवंबर में 7.5 फीसदी की हुई गिरावट

एनटीवी, नई दिल्ली

नवंबर महीने में डीजल की बिक्री में गिरावट देखने को मिली है। इसकी वजह ट्रांसपोर्ट सेक्टर में कम मांग और लोगों द्वारा ली गई छुट्टी की वजह से गिरावट आई है। वहीं फेस्टिव सीजन के दौरान प्राइवेट गाड़ियों की आवाजाही बढ़ने से पेट्रोल की बिक्री 7.5 प्रतिशत बढ़कर 2.86 मिलियन टन हो गई। इसेक अलावा एलपीजी और एटीएफ की बिक्री में बढ़ोतरी देखने को मिली है। नवंबर 2023 में देश में डीजल की बिक्री में गिरावट दर्ज हुई है। ट्रांसपोर्ट सेक्टर में मांग में गिरावट की वजह से नवंबर में भारत की डीजल खपत में 7.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। कई लोगों ने दिवाली की छुट्टी ले ली है। पिछले महीने डीजल की खपत एक साल पहले के 7.33 मिलियन टन से घटकर 6.78 मिलियन टन रह गई। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि कुछ ट्रक चालक अपने घर जाने के लिए दिवाली की छुट्टी लेते हैं। इसके अलावा नवंबर महीने में कई डिमांड वापस आ गई है। डीजल भारत में सबसे अधिक खपत वाला ईंधन है, जो सभी पेट्रोलियम उत्पादों की खपत का लगभग 40 प्रतिशत है। देश में कुल डीजल बिक्री में परिवहन क्षेत्र की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत है। पेट्रोल की बिक्री में तेजी फेस्टिव सीजन के दौरान प्राइवेट गाड़ियों की आवाजाही बढ़ने से पेट्रोल की बिक्री 7.5 प्रतिशत बढ़कर 2.86 मिलियन टन हो गई। पिछले कुछ महीनों में ईंधन की खपत में गिरावट देखी गई है। अक्टूबर की पहली छमाही में पेट्रोल की मांग साल-दर-साल 9 प्रतिशत गिर गई थी और डीजल की बिक्री 3.2 प्रतिशत गिर गई थी। नवंबर की पहली छमाही में डीजल की मांग में 12.1 फीसदी की गिरावट आई और दूसरी छमाही में इसमें कुछ सुधार हुआ। अक्टूबर में डीजल की बिक्री 6.5 मिलियन टन की तुलना में महीने-दर-महीने डीजल की बिक्री 3.6 प्रतिशत अधिक रही। डीजल की बिक्री आमतौर पर मानसून के महीनों में गिर जाती है क्योंकि बारिश के कारण एग्रीक्लचर सेक्टर में मांग कम हो जाती है जो सिंचाई, कटाई और परिवहन के लिए ईंधन का उपयोग करता है। इसके अलावा, बारिश से वाहनों की गति भी धीमी हो जाती है। इससे पिछले तीन महीनों में डीजल की खपत में गिरावट आई है। मानसून समाप्त होने के बाद खपत महीने-दर-महीने बढ़ गई। अप्रैल और मई में डीजल की खपत क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 9.3 प्रतिशत बढ़ गई थी। इसकी वजह एग्रीक्लचर सेक्टर में मांग बढ़ गई थी और गर्मियों की गर्मी से बचने के लिए कारों ने एयर कंडीशनिंग का सहारा लिया था। मानसून आने के बाद जून महीने में कमी आनी शुरू हुई। अक्टूबर में गिरावट पलट गई लेकिन नवंबर में बिक्री फिर से गिर गई। नवंबर के दौरान पेट्रोल की खपत कोविड-प्रभावित नवंबर 2021 की तुलना में 20.1 प्रतिशत अधिक और महामारी-पूर्व नवंबर 2019 की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक थी। नवंबर 2021 की तुलना में डीजल की खपत 18.1 प्रतिशत और नवंबर 2019 की तुलना में 1.2 प्रतिशत अधिक थी। एटीएफ और एलपीजी की बिक्री नवंबर में जेट ईंधन (एटीएफ) की बिक्री सालाना आधार पर 6.1 फीसदी बढ़कर 620,000 टन हो गई। लेकिन यह नवंबर 2019 की तुलना में 7.5 प्रतिशत कम था, मुख्यतः क्योंकि महामारी के बाद सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें फिर से शुरू नहीं हुई हैं। नवंबर 2021 की तुलना में एटीएफ की खपत 31.6 प्रतिशत अधिक थी, लेकिन प्री-कोविड नवंबर 2019 में इस्तेमाल किए गए 670,200 टन से कम थी। अक्टूबर 2023 में 611,300 टन की तुलना में महीने-दर-महीने जेट ईंधन की बिक्री 1.4 प्रतिशत अधिक थी। नवंबर में रसोई गैस एलपीजी की बिक्री सालाना आधार पर 0.9 फीसदी घटकर 2.57 मिलियन टन रही। एलपीजी की खपत नवंबर 2021 की तुलना में 6.9 प्रतिशत अधिक और प्री-कोविड नवंबर 2019 की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक थी। इन आंकड़ों से पता चलता है कि महीने-दर-महीने, अक्टूबर के दौरान 2.52 मिलियन टन एलपीजी खपत के मुकाबले एलपीजी की मांग 2 प्रतिशत बढ़ी।

आईएमएफ के ईडी ने देश की जीडीपी और जीएसटी कलेक्शन को सराहा, राजन की टिप्पणी पर दिया ये जवाब

एनटीवी, नई दिल्ली

सुब्रमण्यन ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब तक के संकेतों को देखते हुए करीब डेढ़ से दो साल में हम एक महीने में दो लाख करोड़ रुपये के जीएसटी कलेक्शन का आंकड़ा छूने की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जीएसटी संग्रह का अच्छा प्रदर्शन अच्छी नीति लागू करने के कारण है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी निदेशक और भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार के वी सुब्रमण्यम ने नवंबर 2023 में भारत के प्रभावशाली जीएसटी (माल और सेवा कर) कलेक्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगले डेढ़ से दो वर्षों के भीतर जीएसटी कलेक्शन प्रति माह दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय सरकार की ओर से लागू की गई ठोस कर नीतियों को दिया। सुब्रमण्यन ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब तक के संकेतों को देखते हुए करीब डेढ़ से दो साल में हम एक महीने में दो लाख करोड़ रुपये के जीएसटी कलेक्शन का आंकड़ा छूने की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जीएसटी संग्रह का अच्छा प्रदर्शन अच्छी नीति लागू करने के कारण है। इसलिए कुल मिलाकर मुझे लगता है कि जीएसटी के मोर्चे पर अच्छा प्रदर्शन कराधान पर अच्छी नीति का सबूत है। सुब्रमण्यन ने जोर देकर कहा कि जीएसटी संग्रह में सकारात्मक प्रदर्शन भारत की अच्छी तरह से तैयार की गई कराधान नीतियों की व्यापक सफलता को दशार्ता है। यह प्रभावी राजकोषीय प्रबंधन के लिए देश की प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है। आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक ने जीडीपी के आंकड़ों पर संतोष व्यक्त किया भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर पर सुब्रमण्यम ने बहुत संतोष व्यक्त किया। सुब्रमण्यन ने कहा, मैं दूसरी तिमाही में 7.6 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर को देखकर बहुत खुश हूं। यह वित्त वर्ष 23 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के बाद आया है। इसलिए साल की पहली छमाही में अर्थव्यवस्था औसतन 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जो एक वैश्विक अर्थव्यवस्था में मौजूद बाधाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए शानदार प्रदर्शन है। पहली छमाही के प्रदर्शन का आकलन करते हुए उन्होंने चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को देखते हुए 7.7 प्रतिशत की प्रभावशाली औसत वृद्धि दर का अनुमान जताया। सुब्रमण्यन ने महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों को देखते हुए भारत के आर्थिक प्रदर्शन को शानदार बताया।

संक्षिप्त खबरें

साइबर ठगी का नया तरीका, अपने ही घर में कैद हो रहे लोग, आप भी हो सकते हैं शिकार

हैरान करने वाले बात यह है कि अभी तक जितने डिजिटल अरेस्ट के मामले सामने आए हैं उनके इंजीनियर को ही शिकार बनाया गया है। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि डिजिटल अरेस्ट क्या है और इससे आपको क्यों सावधान रहना चाहिए ? पहले ठगी कम पढ़े लिखे लोगों के साथ होती थी लेकिन डिजिटल दुनिया में यह उल्टा हो रहा है। समय के साथ ठगी का तरीका बदला और शिकार होने वाले लोग भी बदले। किसी को ठगने के लिए अब उसके पास या उसके घर जाना बिलकुल भी जरूरी नहीं है। आप अपने घर बैठे लोगों को ठग सकते हैं और आप भी ठगे जा सकते हैं।

वैसे तो ठगी के कई तरीके हैं जिनके जरिए लोगों को शिकार बनाया जा रहा है लेकिन अब एक नई साइबर ठगी सामने आई है जिसमें ज्यादा पढ़े लिखे और समझदार लोगों को शिकार बनाया जा रहा है। इस नई साइबर ठगी का नाम डिजिटल अरेस्ट है। हैरान करने वाले बात यह है कि अभी तक जितने डिजिटल अरेस्ट के मामले सामने आए हैं उनके इंजीनियर को ही शिकार बनाया गया है। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि डिजिटल अरेस्ट क्या है और इससे आपको क्यों सावधान रहना चाहिए ? आखिर कौन-सी बला है डिजिटल अरेस्ट ? डिजिटल अरेस्ट ब्लैकमेल करने का एक एडवांस तरीका है। डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार वही लोग होते हैं जो अधिक पढ़े लिखे और अधिक होशियार होते हैं। डिजिटल अरेस्ट का सीधा मतलब ऐसा है कि कोई आपको ऑनलाइन धमकी देकर वीडियो कॉलिंग के जरिए आप पर नजर रख रहा है। डिजिटल अरेस्ट के दौरान साइबर ठग नकली पुलिस अधिकारी बनकर लोगों को धमकाते हैं और अपना शिकार बनाते हैं।

कई बार डिजिटल अरेस्ट वाले ठग लोगों को फोन करके कहते हैं कि वे पुलिस डिपार्टमेंट या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से बात कर रहे हैं। ये कहते हैं कि आपके पैन और आधार का इस्तेमाल करते हुए तमाम चीजें की खरीदी गई हैं या फिर मनी लॉन्ड्रिंग की गई है। इसके बाद वे वीडियो कॉल करते हैं और सामने बैठे रहने के लिए कहते हैं।

उत्तर प्रदेश रेरा ने लिया बड़ा एक्शन, लगभग 130 प्रवर्तकों को नोटिस भेजा

एनटीवी, नोएडा

बयान के मुताबिक, रेरा अधिनियम की धारा-37 के प्रावधानों के अनुरूप उत्तर प्रदेश रेरा ने अपने दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रवर्तकों को नोटिस जारी किया है। अधिनियम की धारा 63 के तहत प्राधिकरण कड़े कदम उठा सकता है। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट नियामकीय प्राधिकरण (उ.प्र. रेरा) ने शुक्रवार को कहा कि पंजीकृत परियोजनाओं के विज्ञापन संबंधी नियमों के उल्लंघन पर करीब 130 प्रवर्तकों को नोटिस भेजा गया है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, रियल एस्टेट नियामक ने यह पाया है कि उत्तर प्रदेश रेरा के चेयरमैन संजय भूसरेड्डी की तरफ से तमाम प्रवर्तकों को दी गई समयसीमा का भी पालन नहीं किया गया है। हाल के महीनों में प्राधिकरण ने पंजीकृत और गैर-पंजीकृत परियोजनाओं के प्रचार एवं विज्ञापन को लेकर दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनमें परियोजनाओं का रेरा पंजीकरण नंबर और पोर्टल का स्पष्ट तौर पर जिक्र करने को कहा गया है। उसने रेरा के पोर्टल पर परियोजनाओं का ब्योरा समय-समय पर अद्यतन करने का भी निर्देश दिया है। बयान के मुताबिक, रेरा अधिनियम की धारा-37 के प्रावधानों के अनुरूप उत्तर प्रदेश रेरा ने अपने दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रवर्तकों को नोटिस जारी किया है। अधिनियम की धारा 63 के तहत प्राधिकरण कड़े कदम उठा सकता है और जुमार्ना भी लगा सकता है। भूसरेड्डी ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र के हितधारकों को रेरा अधिनियम के हिसाब से ही काम करना होगा।

देश में बढ़ गया कोयले का प्रोडक्शन, नवंबर महीने में 11 फीसदी बढ़ा उत्पादन

- कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का उत्पादन नवंबर 2023 में 8.74 प्रतिशत बढ़कर 65.97 मीट्रिक टन हो गया।

एनटीवी, नई दिल्ली

देश में कोयले उत्पादन में बढ़ोतरी देखने को मिली है। नवंबर महीने में भारत का कोयला उत्पादन 11 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। कोल इंडिया लिमिटेड की सभा 7 ब्रांच में विकास देखने को मिली है। कोल इंडिया के बीसीसीएल और एनसीएल ने अपने-अपने प्रगतिशील लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। नवंबर महीने में संचयी कोयला उत्पादन 591.28 मीट्रिक टन (अनंतिम) तक पहुंच गया है। देश में बढ़ गया कोयले का प्रोडक्शन पिछले महीने यानी नवंबर में भारत का कोयला उत्पादन 11.03 प्रतिशत बढ़कर 84.53 मिलियन टन (एमटी) हो गया,। यह पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 76.14 मीट्रिक टन था। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का उत्पादन नवंबर 2023 में 8.74 प्रतिशत बढ़कर 65.97 मीट्रिक टन हो गया।

यह पिछले वित्त वर्ष के नवंबर में 60.67 मीट्रिक टन था। वहीं, घरेलू कोयला उत्पादन में सीआईएल का हिस्सा 80 प्रतिशत से अधिक है। कोल इंडिया लिमिटेड की सभी सात शाखाओं में विकास देखने को मिला है।

आपको बता दें कि बीसीसीएल और एनसीएल ने अपने-अपने प्रगतिशील लक्ष्य हासिल कर लिए हैं।

संचयी कोयला उत्पादन में बढ़ोतरी कोयला मंत्रालय द्वारा कहा गया कि संचयी कोयला उत्पादन वित्त वर्ष 2023-24 के नवंबर तक 591.28 मीट्रिक टन (अनंतिम) तक पहुंच गया है। यह पिछले वित्त वर्ष 22-23 में इसी अवधि के दौरान 524.53 मीट्रिक टन की तुलना में 12.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। देश का कोयला प्रेषण पिछले महीने बढ़कर 81.63 मीट्रिक टन (अनंतिम) हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष के नवंबर में 74.87 मीट्रिक टन (अनंतिम) दर्ज किया गया था,

जिसमें 9.02 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि संचयी कोयला प्रेषण नवंबर 2023 तक में 11.70 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2022-23 की इसी अवधि के दौरान 557.80 मीट्रिक टन की तुलना में वित्त वर्ष 23-24 में 623.04 मीट्रिक टन (अनंतिम) तक महत्वपूर्ण उछाल देखा गया है।

इस लोन एप को गलती से भी न करें डाउनलोड, सरकार ने दी चेतावनी

- फटाफट लोने देने वाले एप्स के स्कैम से सरकार भी लड़ रही है और गूगल-एपल जैसी टेक कंपनियां भी लेकिन दो साल में इसका कोई समाधान नहीं निकल पाया है।

एनटीवी, नई दिल्ली

- मधुपात एप को नवकिसान फाइनेंस लिमिटेड ने तैयार किया है और इसे गूगल प्ले-स्टोर से करीब 10 हजार लोगों ने डाउनलोड किया है और प्ले-स्टोर पर इसे 4.5 की रेटिंग मिली है।

सरकार की साइबर सिक्योरिटी एजेंसियां भी लोगों के लिए इस तरह के लोन एप को लेकर अलर्ट जारी करती हैं। अब एक नए लोन एप को लेकर साइबर दोस्त ने अलर्ट जारी किया है जो कि गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है। आइए जानते हैं फटाफट लोने देने वाले एप्स के स्कैम से सरकार भी लड़ रही है और गूगल-एपल जैसी टेक कंपनियां भी लेकिन दो साल में इसका कोई समाधान नहीं निकल पाया है। प्रत्येक कुछ समय पर गूगल अपने प्ले-स्टोर से इस तरह के एप को डिलीट करता है। सरकार की साइबर सिक्योरिटी एजेंसियां भी लोगों के लिए इस तरह के लोन एप को लेकर अलर्ट जारी करती हैं। अब एक नए लोन एप को लेकर साइबर दोस्त ने अलर्ट जारी किया है जो कि गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है। मधुपात लोन एप को लेकर जारी हुआ अलर्ट साइबरदोस्त ने एक्स पर एक पोस्ट करके बताया है कि मधुपात एप हैकर्स ने डिजाइन किया है और इसमें मैलवेयर है। यदि आप इस मधुपात एप को अपने फोन में डाउनलोड करते हैं तो आपके फोन में मैलवेयर इंस्टॉल किया जा सकता है।

फिर मैलवेयर की मदद से आपके फोन को हैक किया जा सकता है और आपके निजी डाटा तक हैकर्स की पहुंच हो सकती है। मधुपात एप को नवकिसान फाइनेंस लिमिटेड ने तैयार किया है और इसे गूगल प्ले-स्टोर से करीब 10 हजार लोगों ने डाउनलोड किया है और प्ले-स्टोर पर इसे 4.5 की रेटिंग मिली है।

बता दें कि इससे पहले इसी साल सितंबर में साइबरदोस्त ने दो लोन एप्स विंडमिल मनी और रैपिड रुपया प्रो को लेकर चेतावनी जारी की थी।

साइबरदोस्त के इस पोस्ट पर ही इनमें से ही एक एप को लेकर एक यूजर ने स्क्रीनशॉट के साथ शिकायत की है। स्क्रीनशॉट में देखा जा सकता है कि ये एप गाली दे रहे हैं।

नोमुरा ने 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत किया

- हालांकि ब्रोकरेज कंपनियों के अर्थशास्त्रियों ने शुक्रवार को कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत तक धीमी होने का अनुमान है।

एनटीवी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण, खनन और सेवा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत थी। जापान की ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 5.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी के आधिकारिक आंकड़ें आने के बाद यह बढ़ोतरी की गई। हालांकि ब्रोकरेज कंपनियों के अर्थशास्त्रियों ने शुक्रवार को कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत तक धीमी होने का अनुमान है। उन्होंने एक बयान में कहा कि चुनाव से पहले सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में सुस्ती, ग्रामीण मांग और निजी पूंजीगत व्यय में गिरावट, वैश्विक नरमी के कारण 2024-25 में वृद्धि दर घट सकती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण, खनन और सेवा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत थी।

कोविड के दौरान ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने में घपला, ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के तहत दर्ज किया केस

- उन्होंने बताया कि ईडी ने धोखाधड़ी के संबंध में शुक्रवार को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया।

एनटीवी, नई दिल्ली

ईओडब्ल्यू के अनुसार, भायखला में नगरपालिका कार्यशाला और नगर निगम की ओर से संचालित अस्पतालों वीएन देसाई, डॉ बाबासाहेब अंबेडकर, जीटीबी, कस्तूरबा, बीवाईएल नायर, आरएन कूपर, केबी भाभा, केईएम और एटीएमजी सायन के परिसर में ऑक्सीजन संयंत्रों में अप्रैल 2021 और जनवरी 2022 के बीच धोखाधड़ी हुई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोविड-19 महामारी के दौरान अस्पतालों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने में कथित धोखाधड़ी को लेकर धन शोधन का एक मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को छह करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में 24 नवंबर को मेसर्स हाईवे कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठेकेदार रोमिल छेड़ा को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि ईडी ने धोखाधड़ी के संबंध में शुक्रवार को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया। उन्होंने बताया कि छेड़ा को बीएमसी संचालित नौ अस्पतालों और दो जंबो कोविड-19 केंद्रों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने का ठेका दिया गया जबकि उसके पास इस तरह के काम को अंजाम देने का कथित तौर पर पूर्व अनुभव नहीं था। ईओडब्ल्यू के अनुसार, भायखला में नगरपालिका कार्यशाला और नगर निगम की ओर से संचालित अस्पतालों वीएन देसाई, डॉ बाबासाहेब अंबेडकर, जीटीबी, कस्तूरबा, बीवाईएल नायर, आरएन कूपर, केबी भाभा, केईएम और एटीएमजी सायन के परिसर में ऑक्सीजन संयंत्रों में अप्रैल 2021 और जनवरी 2022 के बीच धोखाधड़ी हुई। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि संबंधित निकाय अधिकारियों ने अनुबंध देते समय पात्रता नियमों की अनदेखी की और निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित नहीं किए गए, जिससे बीएमसी को छह करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

बीएसई का एम-कैप ने तोड़ा रिकॉर्ड, संयुक्त बाजार पूंजीकरण 337.67 लाख करोड़ रुपये पहुंचा

- शेयर मार्केट में तेजी के बाद शुक्रवार को बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 337.67 लाख करोड़ रुपये (4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया है।

एनटीवी, नई दिल्ली

बीएसई एमकैप 29 नवंबर 2023 को बीएसई का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। शेयर मार्केट में आई तेजी और विदेशी निवेशकों द्वारा खरीद ने भी बीएसई के एम-कैप में बढ़त लाने में मदद की है। बीएसई एम-कैप सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। शुक्रवार को बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 337.67 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। शेयर मार्केट के स्टॉक एक्सचेंज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का एम-कैप इस कारोबारी हफ्ते 4 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया है। इस हफ्ते विदेशी निवेशकों द्वारा खरीद और शेयर मार्केट में तेजी के बाद शुक्रवार को बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 337.67 लाख करोड़ रुपये (4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया है। यह एम-कैप सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। बाजार में लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ बीएसई सेंसेक्स 492.75 अंक या 0.74 प्रतिशत उछलकर 67,481.19 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को दिन के दौरान यह 575.89 अंक या 0.85 प्रतिशत बढ़कर 67,564.33 अंक पर पहुंच गया। पिछले चार दिनों के कारोबारी सत्र में बेंचमार्क इंडेक्स 1,511.15 अंक या 2.29 फीसदी बढ़ गया है। बीएसई-सूचीबद्ध फर्मों का बाजार पूंजीकरण 337.67 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गया, जो 83.30 की एक्सचेंज रेट पर 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है। बाजार की चार दिनों की तेजी में निवेशकों की संपत्ति 8.95 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। बीएसई- एमकैप 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के पार बीएसई पर सभी सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्यांकन 29 नवंबर 2023 (बुधवार) को पहली बार 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। बेंचमार्क इस साल 15 सितंबर को 67,927.23 अंक के अपने सर्वकालिक शिखर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज में अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाजार का मूल्यांकन 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के पार है। बीते दिन शुक्रवार को निफ्टी 134.75 अंक या 0.67 प्रतिशत चढ़कर 20,267.90 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ।वहीं, दिन के दौरान निफ्टी ने 158.4 अंक या 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,291.55 अंक के अपने इंट्रा-डे रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) प्रशांत तापसे ने कहा एफआईआई से नए सिरे से आशावाद और सकारात्मक यूरोपीय बाजार संकेतों के कारण उन्मादी खरीदारी ने बेंचमार्क निफ्टी को एक नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा दिया। अनिश्चित वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत एक उज्ज्वल स्थान बना हुआ है क्योंकि हाल के डेटा संकेतक जैसे मजबूत जीडीपी और विनिर्माण संख्या के साथ-साथ अमेरिकी बांड पैदावार में गिरावट जैसे बाहरी कारक बाजार को अच्छी स्थिति में रख रहे हैं। भारत ने दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का टैग बरकरार रखा है, सरकारी खर्च और विनिर्माण से मिले बूस्टर शॉट्स के कारण सितंबर तिमाही में इसकी जीडीपी उम्मीद से कहीं अधिक 7.6 प्रतिशत की तेजी से बढ़ी है। शुक्रवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने नवंबर में अपने मजबूत प्रदर्शन को जारी रखा।

सोना 100 रुपये महंगा, चांदी 80000 के करीब पहुंची

एनटीवी, नई दिल्ली

अर्थव्यवस्था के बेहतर आंकड़े और घरेलू बाजार में विदेशी निवेशकों के सकारात्मक रुख से शुक्रवार को निफ्टी ने नया रिकॉर्ड बनाया। सेंसेक्स भी 492.75 अंक उछलकर 67,481.19 पर बंद हुआ। यह 18 सितंबर, 2023 के बाद इसका 11 सप्ताह का उच्च स्तर है। वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी से शुक्रवार को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 100 रुपये महंगा होकर 63,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी 500 रुपये महंगी होकर 80,000 के करीब पहुंच गई और 79,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मजबूती के साथ 2,042 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। चांदी 25.30 डॉलर प्रति औंस रही। सेबी ने सत्यम के राजू सहित पांच लोगों से मांगे 624 करोड़ नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने 14 साल पुराने सत्यम कंप्यूटर सर्विसेस मामले में कंपनी के मालिक बी रामलिंगा राजू और चार अन्य से 624 करोड़ रुपये जमा कराने को कहा है। यह रकम इन लोगों ने गैरकानूनी तरीके से कमाए थे। 96 पेज के आदेश में सेबी ने रामलिंगा राजू, रामा राजू, बी सूर्यनारायण राजू, वी श्रीनिवास, जी रामकृष्ण और एसआरएसआर होल्डिंग्स को यह निर्देश दिया है। सेबी ने इसके साथ ही राजू और रामा राजू को प्रतिभूति बाजारों से लगभग पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। हालांकि, यह निर्देश दोनों व्यक्तियों की ओर से दायर लंबित अपीलों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अधीन होंगे। सत्यम घोटाला 7 जनवरी, 2009 को उजागर हुआ था। उस समय राजू कंपनी के चेयरमैन थे। उन्होंने कंपनी के खातों में गड़बड़ी कर अवैध कमाई की। जनवरी, 2001 से दिसंबर, 2008 तक अन्य लोगों ने शेयरों में वित्तीय विवरणों के आधार पर खरीद बिक्री कर अरबों रुपये की कमाई की थी। 43,000 छोटी कंपनियों को 700 करोड़ का रिफंड सरकार ने विवाद से विश्वास योजना के तहत 43,904 सूक्ष्म, लघु एवं मझोली (एमएसएमई) कंपनियों को 700 करोड़ रुपये का रिफंड दिया है। योजना को 2023-24 के बजट में लाया गया था। 17 अप्रैल को खुली इस योजना के लिए आवेदन करने की तारीख 31 जुलाई थी। वित्त सचिव टीवी सोमनाथन ने कहा, 4,000 कंपनियों के दावों पर फैसला बाकी है। निफ्टी का नया रिकॉर्ड, सेंसेक्स 493 अंक उछलकर 11 सप्ताह के शीर्ष पर अर्थव्यवस्था के बेहतर आंकड़े और घरेलू बाजार में विदेशी निवेशकों के सकारात्मक रुख से शुक्रवार को निफ्टी ने नया रिकॉर्ड बनाया। सेंसेक्स भी 492.75 अंक उछलकर 67,481.19 पर बंद हुआ। यह 18 सितंबर, 2023 के बाद इसका 11 सप्ताह का उच्च स्तर है। दिन के कारोबार में सेंसेक्स 575.89 अंक तक उछल गया था। निफ्टी 134.75 अंक चढ़कर 20,267.90 के सार्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। दिन में निफ्टी ने 20,291.55 के रिकॉर्ड स्तर को भी छुआ। सेंसेक्स की 30 में 19 कंपनियों के शेयर हरे निशान में बंद हुए। आईटीसी सर्वाधिक 3.28 फीसदी लाभ में रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 1,589.61 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों की बाजार पूंजी 2.07 लाख करोड़ बढ़कर रिकॉर्ड 337.67 लाख करोड़ पहुंच गई। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 1,511 अंक चढ़ गया। निफ्टी में 473.2 अंक की बढ़त। बॉन्ड में विदेशी निवेश 6 साल के उच्च स्तर पर भारतीय बॉन्ड में विदेशी निवेश 6 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। जेपी मॉर्गन अपने उभरते बाजार इंडेक्स में अगले साल भारतीय बॉन्ड को शामिल करेगा। इस उम्मीद में निवेशक और ट्रेजरी अधिकारी लगातार बॉन्ड खरीद रहे हैं। विदेशी निवेशकों ने नवंबर में शुद्ध रूप से 127.2 अरब रुपये का निवेश किया है। इसमें से 96.6 अरब उन प्रतिभूतियों में लगाए गए हैं, जो जेपी मॉर्गन के इंडेक्स में शामिल होंगी। जेपी मॉर्गन में बॉन्ड के शामिल होने से भारत में 25 अरब डॉलर का निवेश आ सकता है। 07 फीसदी रहेगी भारत की वृद्धि दर सान्याल प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा, चालू वित्त वर्ष में विकास दर करीब 7 फीसदी रहेगी। उन्होंने कहा, बेतुके आंकड़ों के आधार पर वैश्विक निष्कर्षों का मुकाबला करने की जरूरत है। केयरएज जल्द ही संप्रभु रेटिंग प्रकाशित करना शुरू करेगी। उधर, नोमुरा ने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर को 5.9 से बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया है।

आईपीओ शेयर नहीं मिले तो तीन दिन में वापस मिलेंगे पैसे आईपीओ में पैसा लगाने के बाद शेयर नहीं मिला, तो तीन दिन में पैसे खाते में वापस आ जाएंगे। सेबी ने एक दिसंबर से नियम लागू कर दिया है। आईपीओ लाने वाली कंपनियों को सुनिश्चित करना होगा कि इश्यू बंद होने के 3 दिन में शेयरों की लिस्टिंग कराएं। पुराने नियम में किसी आईपीओ में शेयर नहीं मिलने पर निवेशकों को छह दिन तक पैसे का इंतजार करना होता था। इस बीच, दूसरा आईपीओ आने पर निवेशक पैसे नहीं लगा पाते थे।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, इन मुद्दों पर होगी चर्चा

एनटीवी, नई दिल्ली

संसद में 37 विधेयक लंबित हैं, इनमें 12 विधेयक इस शीतकालीन सत्र में पारित हो सकते हैं। इनमें आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट को बदलने वाले विधेयक भी शामिल हैं। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है, उससे पहले सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी द्वारा बुलाई गई इस बैठक में सभी राजनीतिक पार्टियों के सदन के नेता शामिल होंगे। इस बैठक का उद्देश्य शीतकालीन सत्र को सुचारू ढंग से चलाने के लिए रणनीति बनाना और विधायी एजेंडा तय करना है। बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत 4 दिसंबर से होगी और यह 22 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान 19 दिनों में 15 दिन बैठकी होगी। इन विधेयकों पर संसद के शीतकालीन सत्र में हो सकती है चर्चा आज की सर्वदलीय बैठक में भाजपा की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल शामिल होंगे। बता दें कि संसद में 37 विधेयक लंबित हैं, इनमें 12 विधेयक इस शीतकालीन सत्र में पारित हो सकते हैं। इनमें आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट को बदलने वाले विधेयक भी शामिल हैं। इनके अलावा मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित विधेयक पर भी इस शीतकालीन सत्र में चर्चा हो सकती है। बता दें कि इस विधेयक के पारित होने के बाद चुनाव आयुक्त का स्टेटस कैबिनेट सचिव स्तर का हो जाएगा, जबकि अभी चुनाव आयुक्त का स्टेटस सुप्रीम कोर्ट जज के बराबर माना जाता है। विभिन्न पार्टियों के नेता संसद भवन पहुंच गए हैं। कांग्रेस की तरफ से उसके वरिष्ठ नेता जयराम रमेश भी संसद पहुंचे हैं। एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट भी संसद में होगी पेश संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों पर संसद की एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पेश की जाएगी, इस पर भी सभी की निगाहें रहेंगी। एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर इस रिपोर्ट को संसद के पटल पर रखेंगे। इस मामले में महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता छीनने की मांग की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

भारत-बांग्लादेश में भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 5.6 दर्ज हुई तीव्रता

अभी तक दोनों ही देशों में इस भूकंप से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। भारत और बांग्लादेश में शनिवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 9.05 बजे दोनों देशों में 5.6 तीव्रता के भूकंप से जमीन कांपी। अभी तक दोनों ही देशों में इस भूकंप से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

स्वदेशी हीमोग्लोबिनोमीटर की गुणवत्ता जांचेगा आईसीएमआर, उत्पादों की जांच के लिए कंपनियों से मांगा सहयोग

आईसीएमआर बाजार में मौजूद हीमोग्लोबिन मीटर की गुणवत्ता जांच के लिए एक अध्ययन करेगा। देश के छह संस्थानों में होने वाले इस अध्ययन में जिन कंपनियों के उत्पाद शामिल किए जाएंगे उनसे आईसीएमआर के साथ अनुबंध करने का प्रस्ताव मांगा है।
रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर बताने वाले स्वदेशी हीमोग्लोबिनोमीटर जल्द ही जांच के दायरे में आएंगे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने गुणवत्ता जांच का फैसला लिया है ताकि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न किया जा सके। साथ ही इसके अध्ययन से भारत में एनीमिया के बढ़ते बोझ को कम करने में मदद मिलेगी।
जानकारी के अनुसार, आईसीएमआर बाजार में मौजूद हीमोग्लोबिन मीटर की गुणवत्ता जांच के लिए एक अध्ययन करेगा। देश के छह संस्थानों में होने वाले इस अध्ययन में जिन कंपनियों के उत्पाद शामिल किए जाएंगे उनसे आईसीएमआर के साथ अनुबंध करने का प्रस्ताव मांगा है। जांच में मीटर की रीडिंग के साथ यह भी देखना जरूरी है कि इससे मरीज को लाभ हो रहा है या फिर नुकसान। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभी तक हीमोग्लोबिनोमीटर की गुणवत्ता जांच को लेकर प्रयास नहीं हुआ है। यह अध्ययन अगले साल तक पूरे होने की उम्मीद है।
जांच इसलिए जरूरी
भारत ने मेक इन इंडिया अभियान के तहत गैर-इनवेसिव हीमोग्लोबिनोमीटर उपकरणों के उत्पादन में काफी तरक्की की है। बाजार में कई सस्ते उपकरण मौजूद हैं।

तूफान के असर से तटीय राज्यों में भारी बारिश की आशंका

एनटीवी, चेन्नई

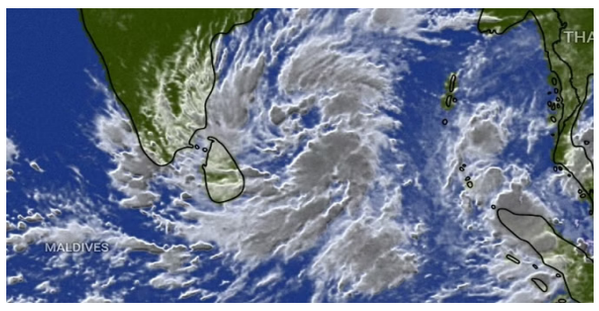

विशापट्टनम चक्रवात चेतावनी केंद्र की एमडी सुनंदा कहती हैं कि निचले दबाव का क्षेत्र अब दक्षिण-पूर्व और आसपास के क्षेत्रों के पास एक अवसाद में बदल गया है। अगले 24 घंटों में यह गहरे अवसाद में बदल जाएगा। इसके अगले 24 घंटे में यह चक्रवाती तूफान बन जाएगा। तमिलनाडु में भारी बारिश की आशंका है। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 12 जिला प्रशासन प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की। सीएम ने अधिकारियों को भारी बारिश से आगाह किया। उन्होंने अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश दिए। मौसम विभाग के अनुसार, तेज बारिश के साथ-साथ प्रदेश के तटीय इलाकों में मिचौंग तूफान की भी आशंका है। गहरे अवसाद में बदल जाएंगे बादल विशापट्टनम चक्रवात चेतावनी केंद्र की एमडी सुनंदा कहती हैं कि निचले दबाव का क्षेत्र अब दक्षिण-पूर्व और आसपास के क्षेत्रों के पास एक अवसाद में बदल गया है। अगले 24 घंटों में यह गहरे अवसाद में बदल जाएगा। इसके अगले 24 घंटे में यह चक्रवाती तूफान बन जाएगा। तेजी के साथ यह उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है। मिचौंग तूफान उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेगा और उत्तरी तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के समुद्री किनारों तक पहुंच जएगा। तीन दिसंबर से उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र तट पर हवाओं और बारिश में इजाफा होगा। तूफान के आगे बढ़ते ही बारिश शुरू हो जाएगी। तमिलनाडु के समुदी किनारों में हल्की से मध्यम बारिश होगी तो वहीं प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में भारी से बहुत अधिक भारी बारिश होने की आशंका है। देखें, किन जिलों का कैसा रहेगा हाल चेन्नई मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, चेन्नई, तेनकासी, थूथुकुडी, तिरुनेलवेली और कन्नियाकुमारी जिलों के विभिन्न स्थानों पर मध्यम गरजना के साथ-साथ बिजली गिरने की संभावना है। इसके साथ राज्य के विल्लुपुरम, रानीपेट, कुड्डालोर, तंजावुर, नागापट्टिनम, मयिलादुथुराई, तिरुवरूर, रामनाथपुरम, तिरुपुर, डिंडीगुल, पुदुकोट्टई, विरुधुनगर नीलगिरी और थेनी जिलों और पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर हल्की आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। समुद्र में न जाने की चेतावनी मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व के हिस्सों तथा दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी में मछुआरों को मछली पकड़ने और किसी तरह के व्यापार से संबंधित काम के लिए न जाने की चेतावनी जारी की है।

ईडी अफसर 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

एनटीवी, चेन्नई

डीवीएसी द्वारा गिरफ्तार किए गए ईडी अधिकारी की पहचान अंकित तिवारी के रूप में की गई है, जो मदुरै स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यरत है। तमिलनाडु के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि ईडी अधिकारी ने एक सरकारी कर्मचारी से 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। गिरफ्तार अधिकारी की पहचान अंकित तिवारी के रूप में हुई है, जो मदुरै स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यरत है। वहीं, डीवीएसी के अधिकारी अंकित तिवारी से जुड़े मामले के संबंध में मदुरै में ईडी के कार्यालय में भी छापेमारी की। छापेमारी के दौरान सीआरपीएफ जवानों को कार्यालय के बाहर तैनात किया गया। डीवीएसी को रिश्वत मामले में ईडी के अन्य अधिकारियों की मिलीभगत होने का संदेह है। डीवीएसी ने एक बयान में कहा कि अंकित तिवारी को डिंडीगुल में हिरासत में लिए जाने के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। इसके बाद अदालत ने आरोपी को 15 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इससे पहले अधिकारियों ने तिवारी से गहन पूछताछ की। डीवीएसी ने कहा कि हमारी टीम इस बात की जांच की जा रही है कि क्या आरोपी अधिकारी ने पहले भी किसी अन्य को ब्लैकमेल या धमकी देकर पैसे ऐंठे थे। पुराने सतर्कता मामले के जरिये सरकारी कर्मचारी को धमकाया बयान में कहा गया है कि आरोपी अधिकारी ने अक्तूबर में डिंडीगुल के एक सरकारी कर्मचारी से संपर्क किया और उनके खिलाफ दर्ज एक सतर्कता मामले का जिक्र किया, जिसका पहले ही निपटारा हो चुका था। अंकित तिवारी ने कर्मचारी से कहा कि मामले की जांच करने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय से निर्देश प्राप्त हुए हैं और सरकारी कर्मचारी को 30 अक्तूबर को मदुरै स्थित ईडी कार्यालय में पेश होने के लिए कहा। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए तीन करोड़ मांगे डीवीएसी ने दावा किया है कि जब सरकारी कर्मचारी मदुरै गया, तो तिवारी ने मामले में कानूनी कार्रवाई से बचने के एवज में उससे तीन करोड़ रुपये देने को कहा। बाद में कहा कि उसने अपने वरिष्ठों से बात की और उनके निर्देशों के अनुसार वह रिश्वत के रूप में 51 लाख रुपये लेने के लिए सहमत हो गए हैं। एक नवंबर को कर्मचारी ने उन्हें रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 20 लाख रुपये दिए। बाद में तिवारी ने कर्मचारी को व्हाट्सएप कॉल और टेक्स्ट मैसेज करके कई बार धमकाया कि उसे 51 लाख रुपये की पूरी राशि का भुगतान करना होगा, नहीं तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इससे सरकारी कर्मचारी को संदेह हुआ और उसने गुरुवार को ईडी अधिकारी के खिलाफ डिंडीगुल जिला सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी इकाई में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद शुक्रवार को डीवीएसी के अधिकारियों ने अंकित तिवारी को शिकायतकर्ता से 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। बयान में कहा गया है कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत सुबह 10.30 बजे ईडी अधिकारी को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने उसके कदाचार के संबंध में कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए हैं। रिश्वत मामले में ईडी के अन्य अधिकारियों की संलिप्तता की होगी जांच डीवीएसी ने कहा कि रिश्वत मामले में ईडी के अन्य अधिकारियों की संभावित संलिप्तता की जांच के लिए भी पूछताछ की जाएगी। सतर्कता टीम के अधिकारी तिवारी के आवास और मदुरै में प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय की तलाशी ले रहे हैं। अंकित तिवारी से जुड़े स्थानों की भी तलाशी ली जा रही है।

'एक की गलती के लिए पूरी एजेंसी को', ईडी अफसर पर रिश्वत लेने के आरोप के बीच बोले अन्नामलाई

एनटीवी, चेन्नई

ईडी अधिकारी अंकित तिवारी पर लगे आरोपों पर तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलई का मानना है कि केवल एक अकेले की गलती की वजह से पूरा ईडी को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। तमिलनाडु के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। ईडी के अधिकारी अंकित तिवारी पर एक सरकारी कर्मचारी से 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है। डीवीएसी के अधिकारी अंकित तिवारी से जुड़े मामले के संबंध में मदुरै में ईडी के कार्यालय में भी छापेमारी की। अंकित तिवारी को डिंडीगुल में हिरासत में लिए जाने के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। इसके बाद अदालत ने आरोपी को 15 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ईडी के बचाव में उतरे अन्नामलई ईडी अधिकारी अंकित तिवारी पर लगे आरोपों पर तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलई का मानना है कि केवल एक अकेले की गलती की वजह से पूरा ईडी को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। उन्होंने कहा, 'डीवीएसी ने ईडी विभाग के एक अधिकारी को गिरफ्तार किया है। उन्हें अदालत के सामने प्रस्तुत भी किया और उसे अब न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है और न ही यह आखिरी बार है।' उन्होंने आगे कहा, 'इससे पहले भी राजस्थान, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में सीबीआई और ईडी के कई अधिकारियों को पकड़ा गया है। उन्हें गिरफ्तार भी किया गया है। हाल ही में एक ऐसा ही मामला राजस्थान में भी देखने को मिला था।

एक की गलती के लिए हम पूरे ईडी को दोषी नहीं ठहरा सकते हैं।' डीवीएसी ने बताया कि रिश्वत मामले में ईडी के अन्य अधिकारियों की संभावित संलिप्तता की जांच के लिए भी पूछताछ की जाएगी। सतर्कता टीम के अधिकारी तिवारी के आवास और मदुरै में प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय की तलाशी ले रहे हैं। अंकित तिवारी से जुड़े स्थानों की भी तलाशी ली जा रही है।

क्या महिला पर दुष्कर्म का केस हो सकता है परीक्षण करेगा शीर्ष कोर्ट, जानें पूरा मामला

एनटीवी, नई दिल्ली

शीर्ष अदालत 61 वर्षीय विधवा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि उसे उसके बेटे के खिलाफ दायर झूठे दुष्कर्म मामले में फंसाया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ऋषि मल्होत्रा ने कहा कि महिला पर कभी भी दुष्कर्म का मामला दर्ज नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का परीक्षण करने का फैसला किया कि क्या किसी महिला को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 375 के तहत दुष्कर्म के मामले में आरोपी बनाया जा सकता है। जस्टिस हृषिकेश रॉय और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने इस बात पर संदेह व्यक्त किया कि क्या किसी महिला पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया जा सकता है। पीठ ने मौखिक रूप से यह भी कहा कि उसके अनुसार केवल एक पुरुष पर ही दुष्कर्म का आरोप लगाया जा सकता है। शीर्ष अदालत 61 वर्षीय विधवा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि उसे उसके बेटे के खिलाफ दायर झूठे दुष्कर्म मामले में फंसाया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ऋषि मल्होत्रा ने कहा कि महिला पर कभी भी दुष्कर्म का मामला दर्ज नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का परीक्षण करने का फैसला किया कि क्या किसी महिला को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 375 के तहत दुष्कर्म के मामले में आरोपी बनाया जा सकता है। जस्टिस हृषिकेश रॉय और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने इस बात पर संदेह व्यक्त किया कि क्या किसी महिला पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रिया पटेल मामले में शीर्ष अदालत ने कहा कि सामूहिक दुष्कर्म के मामलों में एक महिला को एकसमान इरादे साझा करने वाला नहीं कहा जा सकता क्योंकि महिलाओं को दुष्कर्म की परिभाषा से बाहर रखा गया है। शीर्ष अदालत ने महिला की याचिका पर नोटिस जारी किया और उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने का भी आदेश दिया।

नासा प्रमुख ने बताई भारत के साथ निसार के लॉन्च की अहमियत, चंद्रयान-3 की सफलता पर दी बधाई

एनटीवी, बंगलूरू

एनआईएसएआर नासा और इसरो का संयुक्त अभियान है और जब यह अपने कक्ष में होगा तो इसका रडार सिस्टम 12 दिनों में दो बार लगातार सभी भूमि और बर्फ की सतहों को स्कैन करेगा। भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर शुक्रवार को मुंबई में मीडिया से बात करते हुए नासा के प्रमुख बिल नेल्सन ने इसरो की सराहना की है। उन्होंने कहा कि भारत ने कुछ ऐसा कर दिखाया जो किसी दूसरे देश ने नहीं किया और इसके लिए भारत पूरी तरह से प्रशंसा का पात्र है। बिल नेल्सन ने कहा, 'भारत को मेरी शुभकामनाएं। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखने वाले आप पहले देश हैं। हमारे पास एक वाणिज्यिक लैंडर है जो अगले साल उतरेगा, लेकिन भारत पहला था। दूसरे देशों ने कोशिश की लेकिन वे सभी असफल रहें। आप पूरी तरह से प्रशंसा के पात्र हैं।' क्या है एनआईएसएआर? इस दौरान नेल्सन ने एनआईएसएआर (निसार) के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि चार अहम वेधशालाओं के साथ 3डी मॉडल तैयार किया गया है जो यह पता लगाएगा कि पृथ्वी में क्या-क्या हो रहा है। नेल्सन ने कहा, यह भारत सरकार के साथ एक अहम वेधशाला है। यहां चार मुख्य वेधशालाएं हैं। एक बार जब हम पहले से मौजूद 25 अंतरिक्षयानों के साथ चारों को ऊपर ले जाएंगे तो हमारे पास पृथ्वी में क्या हो रहा है इसका एक पूरा 3डी डेटा होगा। हम अपने घर को सुरक्षित रखना चाहते हैं। एनआईएसएआर उनमें से एक प्रमुख वेधशाला है। यह पृथ्वी के सभी सतहों का निरीक्षण करेगा। यह जल, थल और बर्फ में हो रहे परिवर्तनों के बारे में बताएगा। यह एक अलग तरह का डेटा होगा, जिससे हमें पता चलेगा कि पृथ्वी में क्या-क्या हो रहा है। यह मिशन अगले साल के पहले चरण में शुरू होगा। भारतीय स्पेस एजेंसी द्वारा रॉकेट प्रदान किया जाएगा और उसके बाद हम साथ में अंतरिक्षयान का निर्माण करेंगे। 2024 में होगा एनआईएसएआर का निरीक्षण एनआईएसएआर नासा और इसरो का संयुक्त अभियान है।

टीएमसी में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के समर्थकों में छिड़ी जुबानी जंग, जानिए क्या है उम्र का विवाद

- कुणाल घोष के इस बयान के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद सौगत रॉय ने कहा है कि पार्टी में उम्र कोई बाधा नहीं हैं और वरिष्ठ नेताओं की भूमिका क्या होगी, इसका फैसला सिर्फ ममता बनर्जी करेंगी।

एनटीवी, कोलकाता

सौगत राय ने कहा कि अभिषेक बनर्जी एक चर्चित युवा नेता हैं लेकिन अभी भी ममता बनर्जी के नाम पर ही पार्टी को वोट मिलता है। सौगत राय ने कहा कि टीएमसी में 75 साल तक ही चुनाव लड़ने जैसा कोई नियम नहीं है।

पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी में नए और पुराने नेताओं में जुबानी जंग छिड़ गई है। यह जुबानी जंग उम्र को लेकर हो रही है। दरअसल टीएमसी नेता कुणाल घोष ने हाल ही में पार्टी में नेताओं के चुनाव लड़ने की उम्रसीमा तय ना होने पर सवाल उठाए थे और कहा था कि कई पुराने नेता जब तक जीवित रहेंगे, तब तक पार्टी में बने रहेंगे। कुणाल घोष के इस बयान के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद सौगत रॉय ने कहा है कि पार्टी में उम्र कोई बाधा नहीं हैं और वरिष्ठ नेताओं की भूमिका क्या होगी, इसका फैसला सिर्फ ममता बनर्जी करेंगी। सौगत राय ने कही ये बात सौगत रॉय ने कहा कि 'कौन चुनाव लड़ेगा और किसकी क्या पद मिलेगा, इसका फैसला ममता बनर्जी करेंगी। वह हमारी सुप्रीम नेता हैं और पार्टी में सबसे बड़ी अथॉरिटी रहेंगी। अभिषेक बनर्जी एक चर्चित युवा नेता हैं लेकिन अभी भी ममता बनर्जी के नाम पर ही पार्टी को वोट मिलता है। सौगत राय ने कहा कि टीएमसी में 75 साल तक ही चुनाव लड़ने जैसा कोई नियम नहीं है।' टीएमसी का हाल ही में नेताजी इंडोर स्टेडियम में सम्मेलन हुआ था। सम्मेलन के दौरान स्टेडियम के मुख्य द्वार पर अभिषेक बनर्जी की तस्वीर नदारद थी, जिसे लेकर भी खूब चर्चा हुई। इस मामले पर सौगत रॉय ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि जहां ममता बनर्जी की तस्वीर हो, वहां सब जगह अभिषेक बनर्जी की भी फोटो हो। युवा नेताओं को पार्टी में मौके देने के सवाल पर सौगत रॉय ने कहा कि 'ममता बनर्जी ने पार्टी में युवा नेताओं को काफी मौके दिए हैं और किसको क्या जिम्मेदारी देनी है, यह ममता बनर्जी ही तय करती हैं। हम सिर्फ उनके सैनिक हैं।' क्या ये है विवाद की जड़? इस विवाद से टीएमसी के भीतर चल रही खींचतान का भी खुलासा हो गया है। बता दें कि इस विवाद को ममता बनर्जी के पार्टी पर अपना प्रभाव बनाए रखने और अभिषेक बनर्जी के ताकतवर नेता के तौर पर उभरने के तौर पर भी देखा जा रहा है।

दरअसल टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं को ममता बनर्जी का समर्थक माना जाता है। वहीं पार्टी के युवा नेताओं पर अभिषेक बनर्जी का प्रभाव माना जाता है। यही वजह है कि पुराने और नए नेताओं के बीच छिड़ी जुबानी जंग को बड़े बदलाव की आहट के तौर पर भी देखा जा रहा है। हालांकि पार्टी के नेता ऐसी खबरों को सिरे से खारिज करते हैं और कहते हैं कि टीएमसी के लिए ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी, दोनों ही जरूरी हैं।

टैंपल स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम- डील- 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड
कार्यालय : 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट, कार्यालय : 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड़, नियर बैक ऑफ बडौदा दिल्ली110042